राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

RNI Regn. No.7789/1964 वर्ष-61 > अंक - 293 रायपुर गुरूवार 23 अक्टूबर 2025 विक्रम संवत 2082 पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

सोना जुटाने में परचम लहरा रहा आरबीआई, 880 टन के पार पहुंचा स्वर्ण भंडार

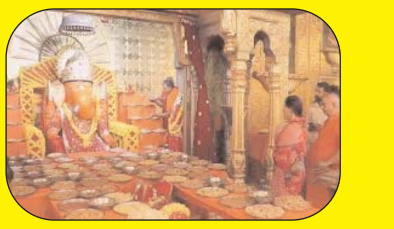

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मोती डूंगरी गणेश मंदिर में किए दर्शन

केरल में हेलीकॉप्टर लैंडिंग के दौरान धंसा हेलीपैड, राष्ट्रपति मुर्मू की सुरक्षा में बड़ी चूक, मचा हड़कम्प

तिरुवनंतपुरम. एजेंसी

केरल के प्रमदम स्टेडियम में बुधवार 22 अक्टूबर को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को ले जा रहे हेलीकॉप्टर की लैंडिंग के दौरान हेलीपैड धंस गया. यह हादसा हेलीकॉप्टर के वजन के कारण हुआ, जिससे राष्ट्रपति की सुरक्षा में एक बड़ी चूक सामने आई. घटना के तुरंत बाद, मौके पर मौजूद पुलिस और अग्निशमन विभाग के आपातकालीन कर्मियों ने तेजी से कार्रवाई की. उन्होंने मैन्युअल रूप से (हाथों से धकेलकर) हेलीकॉप्टर को प्रभावित हिस्से से सुरक्षित बाहर निकाला. राहत की बात यह है कि इस घटना में राष्ट्रपति या हेलीकॉप्टर में सवार किसी भी चालक दल के सदस्य को कोई चोट नहीं आई है.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज केरल में प्रसिद्ध सबरीमाला हिल श्राइन के दर्शन करेंगी. वह मंगलवार शाम को तिरुवनंतपुरम पहुंची थीं, जहां केरल के रा'यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया. इस हादसे के बावजूद, राष्ट्रपति का कार्यक्रम जारी रहा. वह हेलीकॉप्टर से तिरुवनंतपुरम से निलक्कल तक गईं और फिर सबरीमाला हिल श्राइन के बेस स्टेशन पंपा के लिए प्रस्थान किया।

केंद्र सरकार का बड़ा निर्णय: स्टूडेंट्स को अपार कार्ड होने पर अब मिलेगी फ्लाइट के सफर में छूट

नई दिल्ली. एजेंसी। केंद्र सरकार ने देशभर के स्टूडेंट्स को बड़ी सौगात दी है. अब अपार आईडी कार्ड जिन छात्रों के पास होगा उन्हें फ्लाइट में भी छूट मिलेगी. शिक्षा मंत्रालय ने इस योजना का दायरा बढ़ाते हुए विमान सेवाओं को भी इसमें शामिल करने का निर्णय लिया है.पहले अपार कार्डधारक छात्रों को रेल, बस, लाइब्रेरी और सरकारी योजनाओं में रियायतें दी जाती थीं. अब शिक्षा मंत्रालय ने एयरलाइंस कंपनियों से बातचीत शुरू कर दी है ताकि विमान टिकटों पर भी छात्रों को छूट मिल सके. यह कदम अधिक से अधिक छात्रों को अपार कार्ड से जोडने् के उद्देश्य से उठाया गया है. **क्या है अपार कार्ड?** एक राष्ट्र, एक छात्र पहचान पत्र की सोच पर आधारित अपार कार्ड छात्रों की नई राष्ट्रीय पहचान होगी. यह 12 अंकों का यूनिक आईडी कार्ड होगा. इसमें छात्र का पूरा नाम, पता, आधार नंबर, शैक्षणिक योग्यता, कौशल और खेल उपलब्धियां दर्ज होंगी.कार्ड में क्यूआर कोड और फोटो होगा, जिसे समय-समय पर अपडेट किया जा सकेगा।

योगी ने सपा-कांग्रेस को बताया रामद्रोही

पॉलिटिकल इस्लाम से देश की जनसांख्यिकी बदलने की साजिश: योगी का विपक्ष पर वार

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि Political Islam भारत की जनसांख्यिकी को बदलने की साजिश के रूप में काम कर रहा है. उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने इस विचारधारा के खिलाफ लंबी लड़ाई लड़ी, लेकिन आज इतिहास में इस पर शायद ही चर्चा की जाती है.

कई योद्धाओं ने लड़ाई लड़े

गोरखपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) की शताब्दी समारोह के दौरान योगी ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज, गुरु गोविंद सिंह, महाराणा प्रताप और महाराणा सांगा ने "Political Islam" के खिलाफ निर्णायक युद्ध लड़े, लेकिन इतिहास में इस संघर्ष को उतनी जगह नहीं मिली जितनी मिलनी चाहिए थी।

ये देश तोड़ने का काम कर रहा है

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भी "Political Islam" देश को तोड़ने का काम कर रहा है. उन्होंने बलरामपुर के छंगूर बाबा उर्फ जलालुद्दीन शाह के मामले का ज़िक्र किया, जिस पर अवैध धर्मांतरण रैकेट चलाने का आरोप है. सीएम योगी ने कहा कि ऐसे तत्व पैसे देकर धर्म परिवर्तन करा रहे हैं, और यह पैसा आखिर आता कहां से है ÷यही पैसा जनता के खरीदे गए सामान से जुटाया जाता है.÷

यूपी में ऐसे समानों पर प्रतिबंध

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, ÷जब भी कुछ खरीदें, देखें कि उस पर Halal certification तो नहीं है. यूपी में हमने इसे प्रतिबंधित कर दिया है, क्योंकि साबुन, कपड़े और माचिस तक को हलाल प्रमाणित किया जा रहा था.÷

योगी ने दावा किया कि देशभर में हलाल सर्टिफिकेशन के नाम पर लगभग 25,000 करोड़ की राशि जुटाई गई, जो किसी भी सरकारी अनुमति के बिना की गई. योगी के मुताबिक, ÷यह पैसा आतंकवाद, लव जिहाद और धर्मांतरण जैसी गतिविधियों में इस्तेमाल होता है,÷ इसलिए राज्य सरकार ने इसके खिलाफ एक बड़ा अभियान शुरू किया है. उन्होंने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी निशाना साधा, जिन्होंने दीपोत्सव पर राज्य सरकार की आलोचना की थी. योगी ने कहा, ÷उन्हें दीपावली से नफ़रत है, जैसे पहले राम जन्मभूमि से थी। सत्ता तो मिल सकती है, लेकिन समझ नहीं.÷

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कांग्रेस को भी निशाने पर रखा. कहा कि कांग्रेस प्रभु राम और कृष्ण को नकारती थी. कांग्रेस ने अदालत में एफिडेविट देकर कहा था कि भगवान राम और कृष्ण मिथक हैं. सपा ने निर्ममता के साथ राम भक्तों पर गोलियां चलाई थीं. उन्होंने कहा कि आज दुनिया अयोध्या में आकर प्रभु श्रीराम के दर्शन कर अभिभूत हो रही है. पिछले साल 6 करोड़ लोगों ने अयोध्या में प्रभु राम का दर्शन किया. प्रयागराज में महाकुंभ के 66 करोड़ से अधिक लोग साक्षी बने. मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा और कांग्रेस के लोग इसमें शुरूआत से ही खोट निकाल रहे थे।

छत्तीसगढ़: एयर इंडिया 26 अक्टूबर से शुरू करेगी रायपुर-दिल्ली के बीच फ्लाइट

लोकशक्ति

रायपुर. छत्तीसगढ़ के रायपुर से दिल्ली आने-जाने वाले यात्रियों के लिए एयर इंडिया ने नई फ्लाइट शुरू करने का ऐलान किया है. कंपनी ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय को 26 अक्टूबर से नई उड़ान शुरू करने का प्रस्ताव भेजा है. फिलहाल एयर इंडिया की दो फ्लाइट्स सुबह और शाम को चल रही हैं, जबकि यह नई उड़ान दोपहर में संचालित होगी।

एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या 2635 दिल्ली से दोपहर 12:10 बजे उड़ान भरेगी और 2:05 बजे रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पहुंचेगी. वहीं, वापसी में

फ्लाइट संख्या 2636 दोपहर 2:35 बजे रायपुर से उड़ान भरकर 4:45 बजे दिल्ली पहुंचेगी.

रायपुर एयरपोर्ट से अब होंगी 26 उड़ानें - स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट फिलहाल देश के विभिन्न शहरों के लिए 24 उड़ानों से जुड़ा हुआ है. लेकिन, 26 अक्टूबर से एयर इंडिया और इंडिगो की नई उड़ानें शुरू होने पर यह संख्या 26 उड़ानों तक पहुंच जाएगी. इससे न केवल दिल्ली, बल्कि अन्य महानगरों तक यात्रियों की पहुंच आसान हो जाएगी।

इस वर्ष दिवाली की बिक्री रिकॉर्ड 6.05 लाख करोड़ रुपए तक पहुंची : निर्मला सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को इस वर्ष दिवाली की बिक्री में हुई वृद्धि की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दिवाली पर बिक्री के आंकड़े जीएसटी रेट कट और स्वदेशी उत्पादों की मजबूत मांग के कारण रिकॉर्ड 6.05 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गए। वित्त मंत्री सीतारमण ने कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के बयान का हवाला दिया, जिसमें अनुमान लगाया गया है कि इस वर्ष दिवाली की बिक्री में 5.4 लाख करोड़ रुपए वस्तुओं की बिक्री और 65,000 करोड़ रुपए सेवाओं की बिक्री शामिल हैं। कैट की रिसर्च विंग, रिसर्च एंड ट्रेड डेवलपमेंट सोसाइटी के अनुसार, यह 2024 की नवरात्रि से दिवाली तक की अवधि के 4.25 लाख करोड़ रुपए की त्योहारी बिक्री की तुलना में 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है और देश की ट्रेडिंग हिस्ट्री में अब तक की सबसे अधिक बिक्री है। सर्वे के अनुसार, कुल बिक्री में मुख्य खुदरा क्षेत्र का योगदान लगभग 85 प्रतिशत रहा, जो कि खुदरा बाजार के मजबूत पुनरुद्धार का संकेत देता है।

कन्फेक्शनरी, होम डेकॉर, फुटवियर, रेडीमेड गारमेंट, कंज्यूमर ड्यूरेबल और दैनिक उपयोग की वस्तुओं जैसी प्रमुख कंज्यूमर और रिटेल कैटेगरी में जीएसटी रेट कट से मूल्य प्रतिस्पर्धा में महत्वपूर्ण सुधार हुआ और खरीदारी में तेजी आई।

सर्वे में कहा गया है कि लगभग 72 प्रतिशत सर्वे में शामिल ट्रेडर्स ने बताया कि उनकी बिक्री बढ़ने का कारण जीएसटी रेट कट है। उपभोक्ताओं ने त्योहारी मांग के बीच स्थिर कीमतों पर अधिक संतुष्टि व्यक्त की, जिससे दिवाली के बाद भी खपत जारी रही। गैर-कॉर्पोरेट और गैर-कृषि क्षेत्र भारत के विकास का एक केंद्रीय स्तंभ बनकर उभरा है, जिसे 9 करोड़ छोटे व्यवसायों, करोड़ों छोटी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स और उपभोक्ताओं के सबसे बड़े आधार द्वारा संचालित किया जाता है।

आंकड़ों से पता चलता है कि दिवाली के व्यापार में उछाल से लॉजिस्टिक्स, ट्रांसपोर्ट, खुदरा सहायता, पैकेजिंग और डिलिवरी क्षेत्र में लगभग 50 लाख लोगों के लिए अस्थायी रोजगार पैदा होने का अनुमान है।

एनएचएआई देश भर में 20,000 किलोमीटर से अधिक राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए नेटवर्क सर्वेक्षण वाहन तैनात करेगा

पीआईबी राष्ट्रीय राजमार्गों पर यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) 23 राज्यों में नेटवर्क सर्वेक्षण वाहन (एनएसवी) तैनात करेगा, जो राष्ट्रीय राजमार्गों के विभिन्न हिस्सों की सड़क सूची और फुटपाथ की स्थिति के आंकड़ों के संग्रह, प्रसंस्करण और विश्लेषण के लिए 20,933 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। एनएसवी की तैनाती से एनएचएआई को सड़क सूची और फुटपाथ की स्थिति से संबंधित आवश्यक आंकड़े- जिसमें सतह पर दरारें, गड्ढे और पैच आदि जैसी सभी संबंधित सड़क खामियां शामिल हैं- एकत्र करने में मदद मिलेगी।

मेहुल चोकसी के लिए ऑर्थर रोड जेल में बैरक तैयार: दो सेल में अटैच टॉयलेट समेत टीवी-पंखे होंगे

नई दिल्ली एजेंसी

पीएनबी से 13,850 करोड़ रुपए के घोटाले के आरोपी और भगोड़े कारोबारी मेहुल चोकसी को भारत लाने की कोशिश की जा रही है। इसके लिए भारत ने बेल्जियम अधिकारियों को मुंबई की आर्थर रोड जेल की आधिकारिक तस्वीरें सौंपी हैं। इनके जरिए बताया गया कि चोकसी को प्रत्यर्पण के बाद जब ऑर्थर रोड जेल में रखा जाएगा तो वहां उसे क्या सुविधा मिलेगी।

भगोड़े हीरा व्यापारी और पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी को बड़ा झटका लगा है। बेल्जियम की एक अदालत ने फैसला सुनाया है कि चोकसी के भारत प्रत्यर्पण में कोई कानूनी बाधा नहीं है। अदालत ने स्पष्ट किया कि चोकसी बेल्जियम का नागरिक नहीं, बल्कि एक विदेशी नागरिक है और उसके खिलाफ लगे आरोप इतने गंभीर हैं कि उसका प्रत्यर्पण जायज है। अंतिम नतीजे में कोर्ट ने कहा कि मेहुल चोकसी भारत के घोटाले में आरोपी है और यह कोई राजनीतिक मामला नहीं है। अदालत ने भारत द्वारा दिए गए उन आश्वासनों पर भरोसा जताया, जिनमें कहा गया है कि भारत में उसे निष्पक्ष सुनवाई, सुरक्षा, उचित जेल व्यवस्था और चिकित्सा सुविधा मिलेगी।

मेहुल चोकसी की नागरिकता पर कोर्ट ने कहा कि उसने खुद यह नहीं झुठलाया कि वह बेल्जियम का नागरिक नहीं है, इसलिए कोर्ट ने उसे विदेशी नागरिक माना।

विदेश | मोहम्मद बिन सलमान ने लिया बड़ा फैसला

सऊदी अरब में 'कफाला सिस्टम' खत्म, 25 लाख भारतीयों को राहत

एजेंसी

सऊदी अरब ने इस महीने आधिकारिक तौर पर 50 साल पुरानी कफाला (स्पॉन्सरशिप) सिस्टम को खत्म कर दिया है, जिसे आधुनिक दौर की गुलामी कहा जाता था। इस व्यवस्था के तहत विदेशी कर्मचारियों के जीवन पर उनके नियोक्ता पर पूरा नियंत्रण होता था, वह उसका पासपोर्ट तक रख सकता था और यह तय करता था कि वे कब नौकरी बदल सकते हैं या देश छोड़ सकते हैं।

इस निर्णय से करीब 1.3 करोड़ विदेशी मजदूरों को राहत मिलेगी, जिनमें लगभग 25 लाख भारतीय शामिल हैं। यह फैसला क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की 'विजन 2030' सुधार योजना का हिस्सा है, जिसका मकसद सऊदी अरब की वैश्विक छवि को सुधारना और विदेशी निवेश को आकर्षित करना है।

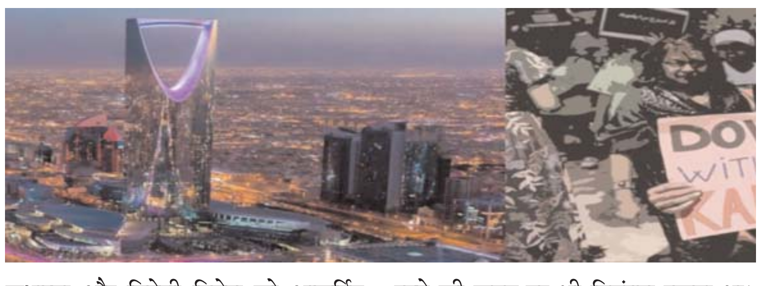

क्या था कफाला सिस्टम?

1950 के दशक में शुरू हुई यह व्यवस्था मूल रूप से विदेश मजदूरों की निगरानी के लिए बनाई गई थी। हर विदेशी श्रमिक को एक कफील से जोड़ा जाता था, जो उसकी नौकरी, वेतन और यहां तक कि रहने की जगह पर भी नियंत्रण रखता था। सबसे चिंताजनक बात यह थी कि मजदूर अपने ही उत्पीड़क के खिलाफ शिकायत तक नहीं कर सकते थे, जब तक कि वही कफील अनुमति न दे।

इस सिस्टम में महिलाओं की स्थिति सबसे खराब रही। कई भारतीय महिलाओं ने शारीरिक और यौन शोषण की शिकायत की। 2017 में गुजरात और कर्नाटक की महिलाओं के साथ हुए अमानवीय व्यवहार के मामले भारत सरकार के हस्तक्षेप के बाद ही सुलझ पाए। एमनेस्टी इंटरनेशनल जैसी संस्थाओं ने इसे मानव तस्करी का रूप बताया।

क्यों खत्म किया गया कफ ाला सिस्टम? अंतरराष्ट्रीय दबाव, मानवाधिकार संगठनों की रिपोर्ट और विदेशी नागरिकों की नाराजगी इस फैसले के पीछे की बड़ी वजह रही। आखिरकार क्राउन प्रिंस ने देश की वैश्विक साख और निवेश माहौल सुधारने के लिए कफाला सिस्टम को खत्म करने का फैसला लिया। हालांकि, यह व्यवस्था अब भी कुवैत, ओमान, लेबनान और कतर जैसे देशों में जारी है।

ऑनलाइन फॉर्म और जिहाद की ट्रेनिंग: महिलाओं को आतंकी बनाने में जुटा जैश

एजेंसी

इस महिला ब्रिगेड का नेतृत्व मसूद अजहर की बहन सादिया अजहर करेगी, जिसका पति यूसुफअजहर सात मई को आपरेशन सिंदूर में मारा गय था, जब भारतीय सेना ने मरकज सुभानअल्लाह स्थित जैश के मुख्यालय पर हमला किया था।

आठ नवंबर से शुरू होने वाला है महिलाओं का भर्ती अभियान

सूत्रों के अनुसार, संगठन को मजबूत करने और ज्यादा महिलाओं की भर्ती के लिए जैश आतंकियों (जिनमें मसूद अजहर और उसके कमांडरों के रिश्तेदार भी शामिल हैं) के परिवारों की महिला सदस्य जिहादी कोर्स में दाखिला लेने वाली महिलाओं को जिहाद, धर्म और इस्लाम के नजरिये से उनके कर्तव्यों का पाठ पढ़ाएंगी।

मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के अनुसार, आनलाइन लाइव

व्याख्यानों के जरिये भर्ती अभियान आठ नवंबर से शुरू होने वाला है। सूत्रों ने बताया, ÷मसूद अजहर की दो बहनें - सादिया और समायरा आनलाइन मीटिंग प्लेटफार्म के जरिये रोजाना 40 मिनट तक महिलाओं को जैश-ए-मोहम्मद की महिला ब्रिगेड जमात-उल-मोमिनात में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करेंगी।÷

ठिकानों, कैडर को फिर से मजबूत करने के लिए चंदा देने की अपील

पहलगाम हमले के जवाब में आपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायु सेना के हवाई हमलों में जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठनों के मुख्यालय नष्ट कर दिए गए थे। तब से ये संगठन किसी भी भारतीय हमले से बचने के लिए रणनीतिक रूप से अपने ठिकानों को पाकिस्तान के अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा (केपीके) में स्थानांतरित कर रहे हैं। इसके अलावा, इन आतंकी संगठनों के सरगना तब से प्रोपेगेंडा वीडियो भी बना रहे हैं और अपने ठिकानों तथा कैडर को फिर से मजबूत करने के लिए चंदा देने की अपील कर रहे हैं।

चंदा इकट्ठा करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहा है मसूद अजहर

सूत्रों ने बताया है कि मसूद अजहर चंदा इकट्ठा करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहा है और 27 सितंबर को बहावलपुर के मरकज उस्मान ओ अली में अपने हालिया भाषण में उसने धन की अपील की थी। अब, जैश-ए-मोहम्मद इस कोर्स में दाखिला लेने वाली हर महिला से 500 पाकिस्तानी रुपये का चंदा भी ले रहा है और उनसे एक आनलाइन सूचना फार्म भी भरवा रहा है। इस महीने की शुरुआत में आठ अक्टूबर को मसूद अजहर ने जैश की महिला ब्रिगेड जमात-उल-मोमिनात के गठन की घोषणा की थी और 19 अक्टूबर को गुलाम जम्मू-कश्मीर के रावलकोट में महिलाओं को संगठन में शामिल करने के लिए ÷दुख्तरान-ए-इस्लाम÷ नामक एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

आत्मघाती हमलावरों के रूप में महिलाओं को इस्तेमाल करने का भी रहा है इतिहास

ISIS, बोको हराम, हमास और लिट्टे जैसे आतंकी संगठनों का महिलाओं को आत्मघाती हमलावरों के रूप में इस्तेमाल करने का इतिहास रहा है, लेकिन जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिज्बुल मुजाहिदीन जैसे संगठन ऐसा करने से अब तक बचते रहे हैं। लेकिन, अब सूत्रों का मानना है कि जैश-ए-मोहम्मद का यह ताजा कदम भविष्य के आतंकी अभियानों में महिला आत्मघाती हमलावरों को प्रशिक्षित करने और उनका इस्तेमाल करने के उसके इरादे का संकेत देता है।

जापान में गीता के शाश्वत संदेश का प्रसार, हरियाणा सरकार ने भेंट की 100 प्रतियां

चंडीगढ़ एजेंसी

हरियाणा सरकार द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में जापान के ओसाका स्थित भारतीय दूतावास के काउंसलेट जनरल ऑफ़ इंडिया चंद्रू अप्पार को श्रीमद्भागवत गीता (जापानी संस्करण) की 100 प्रतियाँ भेंट की गईं। ओसाका विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर विकास पांडे तथा वर्तमान में टोक्यो में रह रही कुरुक्षेत्र की मूल निवासी निकिता ने इन प्रतियों को औपचारिक रूप से भेंट किया। इस अवसर पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हरियाणा सरकार के विदेश सहयोग विभाग की संयुक्त निदेशक हीना बिंदलिश, विदेश सहयोग विभाग में मुख्यमंत्री के सलाहकार पवन चौधरी, केडीबी के मानद सचिव उपेंद्र सिंघल एवं एचएसआईआईडीसी के महाप्रबंधक संजय गर्ग भी जुड़े। इस कार्यक्रम में जापान सहित अन्य देशों में गीता के शाश्वत संदेश के प्रसार पर गहन विचार-विमर्श किया गया। सीजीआई ओसाका अप्पार ने जापानी छात्रों के लिए ऑनलाइन गीता शिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करने की इच्छा व्यक्त की। गौरतलब है कि कुरुक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 15 नवंबर से 5 दिसंबर, 2025 तक मनाया जाएगा, इस दौरान 51 देशों में सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। हरियाणा प्रतिनिधिमंडल ने इस अवसर पर सीजीआई, ओसाका से दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव तथा आगामी सूरजकुंड मेले में जापानी प्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित करने का भी अनुरोध किया।

नेतृत्व और रणनीतिक कौशल को सशक्त बनाने के लिए छह हाई-इम्पैक्ट मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम्स लॉन्च किए

रायपुर, संवाददाता

भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर, जो व्यावसायिक नेताओं को तैयार करने के लिए एक प्रमुख संस्थान के रूप में प्रसिद्ध है, ने अक्टूबर और नवंबर 2025 में आयोजित किए जाने वाले छह हाई-इम्पैक्ट मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम्स की घोषणा की है। ये अल्पकालिक कार्यक्रम वरिष्ठ कार्यकारी, मध्य-स्तरीय प्रबंधक, कार्यात्मक नेता और निर्णय निर्माता के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जिनका उद्देश्य प्रबंधकीय क्षमता, रणनीतिक सोच और नेतृत्व कौशल को निखारना है।

21 अक्टूबर से 24 नवंबर 2025 तक चलने वाले ये कार्यक्रम वित्त, मानव संसाधन, रणनीतिक प्रबंधन, संगठनात्मक व्यवहार और कॉर्पोरेट संचार जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को कवर करेंगे। अक्टूबर में फाइनेंशियल रिस्क मैनेजमेंट, डॉ. प्रणिथ कुमार रॉय द्वारा संचालित, और ऑर्गेनाइजेशनल पॉलिटिक्स का विश्लेषण, डॉ. दामिनी सैनी द्वारा संचालित, पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जो प्रतिभागियों को वित्त, जोखिम मूल्यांकन और संगठनात्मक व्यवहार में विशेषज्ञता प्रदान करेगा। नवंबर में कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन, डॉ. अर्चना प्रसाद और डॉ. मृणाल चवड़ा द्वारा संचालित, स्ट्रेटेजिक थिंकिंग, डॉ. सत्यसिबा दास द्वारा संचालित, फ्रैंचाइजिंग फॉर बिजनेस ग्रोथ, डॉ. संदीप एस. द्वारा संचालित, और एचआर एनालिटिक्स, डॉ. ऋतु गुप्ता द्वारा संचालित, जैसे कार्यक्रम नेतृत्व, बातचीत, संचार, रणनीतिक निर्णय और व्यवसाय विस्तार क्षमताओं को बढ़ाएंगे।

आईआईएम रायपुर के निर्देशक-इन-चार्ज प्रोफेसर संजीव प्रसाद ने इन कार्यक्रमों के पीछे की रणनीति को रेखांकित करते हुए कहा, हमारे मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम्स उन बदलती चुनौतियों को संबोधित करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जिनका सामना पेशेवर विभिन्न उद्योगों में कर रहे हैं। ये कार्यक्रम शोध-आधारित अंतर्दृष्टि और अनुभवात्मक सीखने को जोड़ते हैं, प्रतिभागियों को व्यावहारिक उपकरण, रूपरेखाएँ और मानसिकता प्रदान करते हैं ताकि वे नवाचार को आगे बढ़ा सकें, निर्णय लेने को बेहतर बना सकें और स्थायी व्यावसायिक वृद्धि प्राप्त कर सकें। हमारा उद्देश्य केवल प्रबंधकों को तैयार करना नहीं है, बल्कि ऐसे नेताओं को तैयार करना है जो सार्वजनिक नीति, कॉर्पोरेट रणनीति और सामाजिक नवाचार में परिवर्तनकर्ता बन सकें।

ये कार्यक्रम अवधारणात्मक रूपरेखा, केस-स्टडी आधारित शिक्षा, व्यावहारिक अभ्यास और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों को एकीकृत करते हैं, जिससे प्रतिभागी तुरंत अपने पेशेवर परिवेश में सीख को लागू कर सकें और विभिन्न क्षेत्रों के साथ-साथ सहकर्मी-से-सीखने और नेटवर्किंग के अवसरों का लाभ उठा सकें। फाइनेंशियल रिस्क मैनेजमेंट 21 से 23 अक्टूबर, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन 1 से 4 नवंबर, स्ट्रेटेजिक थिंकिंग 16 से 18 नवंबर, फ्रैंचाइजिंग फॉर बिजनेस ग्रोथ 21 से 23 नवंबर, और एचआर एनालिटिक्स एवं ऑर्गेनाइजेशनल पॉलिटिक्स का विश्लेषण 22 से 24 नवंबर को आयोजित किए जाएंगे। ये पहल आईआईएम रायपुर की उस प्रतिबद्धता को दोबारा प्रमाणित करती हैं, जिसके तहत यह पेशेवरों को ज्ञान, नेतृत्व कौशल और रणनीतिक दृष्टिकोण से लैस करने के लिए काम करता है, ताकि वे आधुनिक व्यावसायिक और संगठनात्मक परिवेश की जटिलताओं को सहजता से नेविगेट कर सकें। सिद्धांत और व्यावहारिक अंतर्दृष्टि के संयोजन के माध्यम से ये कार्यक्रम प्रतिभागियों को ऐसे अग्रगामी नेता बनने के लिए तैयार करते हैं, जो नवाचार, सूचित निर्णय और स्थायी विकास को बढ़ावा देने में सक्षम हों।

कांग्रेस ने नक्सलवाद खत्म नहीं किया, केवल राजनीति की है: विधायक सोनी

रायपुर, । नक्सली सरेंडर पर कांग्रेस के तंज कसे जाने पर भाजपा विधायक सुनील सोनी ने पलटवार किया है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने नक्सलवाद खत्म नहीं किया, केवल राजनीति की है. आज नक्सली या तो ढेर हो गए या फिर आत्मसमर्पण कर रहे हैं. जिसे लोग असंभव कहते थे, नरेंद्र मोदी, अमित शाह और हमारी सरकार ने इसे संभव करके दिखा रही हैं. वहीं बाघिन की मौत पर नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत के राज्यपाल को पत्र लिखे जाने पर सुनील सोनी ने कहा कि मौत पर राजनीति करना कांग्रेस का काम है. पत्र लिखना कांग्रेसियों की आदत है. यह केवल महंत जी की बात नहीं है. उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल भी दर्जनों पत्र प्रधानमंत्री को लिखा चुके हैं. यह केवल पत्र लिखकर औपचारिकता पूरी करते हैं. कोई तथ्य और सबूत नहीं देते. भारतीय जनता पार्टी की सरकार सजग है. अगर कहीं लगेगा गड़बड़ हुआ है, तो उसकी जांच की जाएगी. भाजपा की सरकार जांच से नहीं बचती।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने ठाठापुर में की पूजा

रायपुर, । राजधानी रायपुर के ग्राम ठाठापुर में बीते नरक चतुर्दशी के पावन अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने अपने कुलदेवता की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर ग्रामवासियों ने अध्यक्ष का स्नेहपूर्ण स्वागत किया, जिससे वे अभिभूत हुए। डॉ. रमन सिंह ने पूजा-अर्चना के दौरान ग्रामवासियों के साथ बातचीत की और उन्हें दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ दी। उन्होंने कहा कि यह पर्व जीवन में उजाला, सुख और समृद्धि लाने वाला है। नरक चतुर्दशी को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है और इसे श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाना चाहिए।

अध्यक्ष ने ग्रामवासियों से अनुरोध किया कि वे इस पर्व को सौहार्द्र और भाईचारे के साथ मनाएं। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर उन्होंने अपने कुलदेवता का आशीर्वाद लिया ताकि पूरे परिवार और ग्रामवासियों का जीवन खुशियों और समृद्धि से भरा रहे। इस अवसर पर डॉ. रमन सिंह ने सभी ग्रामवासियों को नए विधानसभा भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भी सादर आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि नए भवन का लोकार्पण छत्तीसगढ़ की लोकतांत्रिक प्रक्रिया और विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। स्थानीय लोगों ने विधानसभा अध्यक्ष के आगमन और स्नेहपूर्ण व्यवहार की सराहना की। उनका कहना है कि अध्यक्ष का यह दौरा ग्रामवासियों के लिए प्रेरणा और उत्साह का स्रोत रहा। इसके साथ ही ग्रामीणों ने उन्हें अपने क्षेत्र की जरूरतों और विकास कार्यों के बारे में भी जानकारी दी। डॉ. रमन सिंह के इस दौरे ने नरक चतुर्दशी के अवसर को और भी खास बना दिया। उनके साथ ग्रामवासियों के साझा उत्साह ने सांस्कृतिक और सामाजिक सौहार्द्र का संदेश दिया। इस अवसर पर अध्यक्ष ने सभी से अपील की कि दीपावली के पर्व को पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ मनाएं, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ भी इस सांस्कृतिक धरोहर का आनंद ले सकें।

मनोविकास केंद्र के छात्रों ने अंतर्राष्ट्रीय पटल पर जिले का नाम किया रोशन

बलौदा बाजार, छग के मनोविकास केन्द्र के 5 बच्चों ने 9 से 12 अक्टूबर 2025 तक गोवा में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पर्पल फेस्ट 2025 में योग प्रदर्शन किया। मनोविकास केन्द्र बलौदाबाजार के प्रतिभावान छात्रों ने गोवा में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पर्पल फेस्ट 2025 में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर प्रदेश और जिले का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मनोविकास केन्द्र के बच्चों की इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और कहा कि प्रदेश का नाम इसी तरह रौशन करते हुए आगे बढ़ें। अंतर्राष्ट्रीय फेस्ट में हिस्सा लेकर वापस आने पर शुक्रवार को कलेक्टर से छात्रों ने मुलाक़ात की और अपने अनुभव साझा किये दिव्यांगजनों की क्षमताओं को किया उजागर मनोविकास केन्द्र के नोडल अधिकारी आशा शुक्ला ने बताया कि केंद्र के छात्र कुलदीप निर्मलकर, तुषार सेन पुष्कर कुमार साहू, लोकेश कुमार वर्मा एवं किशन यादव का चयन अंतर्राष्ट्रीय पर्पल फेस्ट 2025 में भाग लेने के लिए हुआ था। फेस्ट में छात्रों के द्वारा लगभग 12 मिनट का योग प्रदर्शन प्रस्तुत कर दिव्यांगजनों की क्षमताओं और समावेशन की भावना को उजागर किया। इस फेस्ट में भाग लेकर छात्रों ने निःशक्तजनों के लिए हो रहे नवाचार के कार्यो को जाना। दिव्यांगजनों की रचनात्मक प्रतिभा जीवंत प्रदर्शन अंतर्राष्ट्रीय पर्पल फेस्ट 2025 को दिव्यांगजनों की रचनात्मकता, प्रतिभा और सशक्तिकरण के एक जीवंत उत्सव के रूप में देखा जा रहा है। यह आयोजन भारत सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, गोवा सरकार के राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन कार्यालय, तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय एवं संयुक्त राष्ट्र भारत के सहयोग से किया जा रहा है।

स्कूल की अव्यवस्था देखकर माथा पकड़ लिए अधिकारी, प्राचार्य को किया सस्पेंड

गरियाबंद, (आरएनएस)। स्कूल शिक्षा सचिव के निरीक्षण के दौरान उपस्थित छात्र-छात्राओं का शैक्षणिक गुणवत्ता निम्न स्तर का पाया गया। जिसके चलते प्राचार्य को निलंबित कर दिया गया है। स्कूल शिक्षा सचिव के द्वारा 31 जनवरी 2025 को पीएम स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम विद्यालय गरियाबंद का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान स्कूल में उपस्थित छात्र-छात्राओं का शैक्षणिक गुणवत्ता निम्न स्तर का पाया गया साथ ही कक्षा 12वीं में अध्यनरत छात्र-छात्राओं एवं स्टाफ का शैक्षणिक स्तर संतोषजनक नहीं था। शाला में साफसफाई की व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाई गई। फर्नीचर भी अस्त व्यस्त था। स्कूल में पर्याप्त रूम उपलब्ध होने के बावजूद प्रयोगशाला एक ही कक्ष में संचालित किया जा रहा था। प्रायोगिक कार्य हेतु उपलब्ध सामग्री गुणवत्ता विहीन एवं खराब अवस्था में पाई गई। वंदना पांडे प्राचार्य स्वामी आत्मानंद हिंदी मध्य विद्यालय गरियाबंद द्वारा स्कूल संचालन में अपने दायित्व निर्वहन एवं पदीय कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही,अनुशासनहीनता परिलक्षित होती है। वंदना पाण्डेय का उक्त कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम तीन के विपरीत गंभीर कदाचार है। इसलिए राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ सिविल सेवा वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील नियम 1966 के नियम 9 (1) (क) के तहत प्राचार्य पीएम स्वामी आत्मानंद को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय संभागीय संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग रायपुर नियत किया गया है।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजनांतर्गत दिए जाएंगे 2.23 लाख से अधिक नवीन घरेलू एलपीजी कनेक्शन

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना अंतर्गत एलपीजी कनेक्शन हेतु अब लिए जाएंगे नवीन आवेदन

रायपुर, (संवाददाता)।

भारत सरकार, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना अंतर्गत 10.33 करोड़ से अधिक आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं घरेलू एलपीजी कनेक्शन देने के उपरांत एक बार फिर दीपावली के पूर्व लोगों को उपहार देते हुए पीएमयूवाय अंतर्गत 25 लाख नवीन उज्जवला गैस कनेक्शन प्रदान करने हेतु प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। छत्तीसगढ़ में 2 लाख 23 हजार नवीन घरेलू एलपीजी कनेक्शन प्रदान करने हेतु लक्ष्य प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस योजना के तहत् नवीन कनेक्शन दिए जाने पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति अभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री साय के निर्देशानुसार नवीन उज्जवला गैस कनेक्शन के लिए छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा विस्तृत दिशा निर्देश जारी किए गए हैं।

हितग्राहियों को 15 दिनों में दिए जाएंगे नवीन कनेक्शन विभाग द्वारा जारी विस्तृत दिशा-निर्देश अनुसार सभी जिलो में जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला उज्जवला समिति का गठन किया जाएगा। इस समिति द्वारा जिले में प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के क्रियान्वयन एवं प्राप्त आवेदनों की समय-सीमा में निराकरण हेतु नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी। योजनांतर्गत पात्र परिवारों से नवीन गैस कनेक्शन हेतु आगामी 07 दिनों में आवेदन पत्र प्राप्त किए जाएंगे। जिले की गैस एजेंसियों द्वारा प्राप्त आवेदन पत्रों का परीक्षण एवं सत्यापन कराकर 15 दिनों में नवीन गैस कनेक्शन जारी करने की कार्यवाही की जाएगी।

नियद नेल्ला नार योजना अंतर्गत हितग्राहियों को दी जाएगी प्राथमिकता
नियद नेल्ला नार योजना अंतर्गत आने वाले बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर, कांकेर, दंतेवाड़ा जिलों में सर्वप्रथम हितग्राहियों को चिन्हांकित कर इन ग्रामों को विशेष प्राथमिकता देते हुए शत-प्रतिशत चिन्हांकित हितग्राहियों को उज्जवला गैस योजना के कनेक्शन दिए जाएंगे। पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ दिलाये जाने हेतु ऑयल कंपनियों के साथ समन्वय करते हुए सुगम नेटवर्क कनेक्टीविटी वाले क्षेत्रों का चयन कर विशेष शिविर आयोजित किये जाएंगे। योजनांतर्गत गैस कनेक्शन प्राप्ति हेतु शेष सभी 34 हजार 425 परिवारों के आवेदन चिन्हांकित ग्रामों में विशेष शिविर आयोजित कर लिए जाएंगे। दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों से प्राप्त आवेदनों के ई-केवाईसी के लिये कनेक्टीविटी वाले क्षेत्रों का चयन कर विशेष शिविर द्वारा उन्हें लाभांवित किया जायेगा।

फॉर्च्यूनर कार को बीच सड़क में खड़ी कर काटा केक मनाया बर्थडे, 4 युवक गिरफ्तार

दुर्ग, संवाददाता।

जिले के भिलाई में कुछ निगरानी बदमाशों ने बीच सड़क पर बर्थडे सेलिब्रेट किया। बदमाशों ने सड़क पर फॉर्च्यूनर कार खड़ी कर तेज म्यूजिक बजाया, 'बॉस' लिखा हुआ केक काटा, फिर जमकर आतिशबाजी की। बदमाशों ने सड़क पर बर्थडे सेलिब्रेशन का वीडियो भी बनाया, जिसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। मामला दुर्ग के वैशाली नगर थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना 13 अक्टूबर की करीब 12.30 बजे की है। सफेद रंग की फॉर्च्यूनर में सवार युवक - शुभम यादव, नीरज नेपाली, सत्यम यादव, जितेश यादव और रवि यादव वैशाली नगर क्षेत्र के कैम्प-1 पहुंचे। यहां इन्होंने सड़क के बीचो-बीच गाड़ी खड़ी कर दी, जिससे रोड ब्लॉक हो गया। इसके बाद उन्होंने म्यूजिक सिस्टम ऑन किया और तेज आवाज में गाने बजाते हुए केक काटना शुरू किया। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि केक पर 'बॉस' लिखा हुआ था और सभी युवक खुलेआम सड़क पर मस्ती कर रहे थे। यह वीडियो वायरल होते ही पुलिस हरकत में आई। पुलिस के मुताबिक, शुभम यादव का बर्थडे था। चारों निगरानी बदमाश है। कार किसकी है ये पता लगाया जा रहा है। वीडियो के वायरल होते ही दुर्ग पुलिस ने इसे गंभीरता से लिया। थाना वैशाली नगर में मामला दर्ज किया गया। आरोपियों पर धारा 126(2), 190 और 3(5) भा.द.वि. के अंतर्गत केस दर्ज किया गया। इसके बाद पुलिस ने तुरंत दबिश देकर चार मुख्य आरोपियों शुभम यादव (32 वर्ष), सोहन मेश्राम (35 वर्ष), रवि प्रसाद (26 वर्ष), नीरज कुमार सिंह (28 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने बुजुर्गों संग मनाई दीवाली

रायपुर, (आरएनएस)। दीपावली के अवसर पर महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने माना रायपुर स्थित वृद्धाश्रम पहुँचकर वहाँ निवासरत वरिष्ठ नागरिकों के साथ दीवाली पर्व की खुशियाँ साझा कीं उन्होंने स्वयं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की और बुजुर्गों को मिठाई, नए वस्त्र एवं उपहार प्रदान किए। वृद्धजनों के बीच बैठकर उन्होंने आत्मीय संवाद किया और उनके स्वास्थ्य तथा आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि हमारे ये वरिष्ठ नागरिक हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं। इनके अनुभव और आशीर्वाद से ही समाज की नींव मजबूत होती है। शासन का प्रयास है कि वृद्धजन सम्मानपूर्वक और आत्मसम्मान के साथ जीवन व्यतीत करें। कार्यक्रम के दौरान वृद्धाश्रम परिसर को दीपों और रंगोलियों से सजाया गया था। समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों ने मिलकर बुजुर्गों के साथ दीप जलाए। मंत्री राजवाड़े ने वृद्धाश्रम में उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि बुजुर्गों की देखभाल में किसी प्रकार की कमी न रहे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार वृद्धजनों के कल्याण हेतु वृद्धजन सेवा योजना, पेंशन सुविधा, स्वास्थ्य जांच शिविर, मानसिक-सामाजिक परामर्श केंद्र जैसी योजनाओं का प्रभावी संचालन कर रही है। राजवाड़े ने कहा कि दीवाली केवल दीपों का पर्व नहीं, बल्कि संवेदनाओं को साझा करने का अवसर है। उन्होंने युवाओं से भी अपील की कि वे इस पावन पर्व पर अपने आसपास के बुजुर्गों से मिलें, उनका आशीर्वाद लें और उन्हें अपनत्व का अहसास कराएँ।

ग्राम बुचीभरदा में 23 अक्टूबर को मातर महोत्सव का भव्य आयोजन

रायपुर - राजनांदगांव। ग्राम पंचायत आरला के आश्रित ग्राम बुची भरदा (सुरगी) में 23 अक्टूबर को मातर महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। ग्राम की सरपंच श्रीमती साधना राहुल साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम का आयोजन दोपहर 12 बजे से शाम 6 बजे तक खेलकूद प्रतियोगिताओं के साथ किया जाएगा, वहीं रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत मया के डोरी (ग्राम कांचरी, संगीत नगरी खैरागढ़) के कलाकार अपनी शानदार प्रस्तुति देंगे।

सरपंच श्रीमती साधना राहुल साहू ने समस्त क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम का लाभ लेने एवं इस सांस्कृतिक उत्सव को सफल बनाने की अपील की है।

सीजीएमएससी ने की 7 दवाएं ब्लैक लिस्टेड, 4 फर्मों को किया 3 साल के लिए प्रतिबंधित

7 दवाओं में 4 प्रकार की टैबलेट, दो इंजेक्शन व एक शैंपो

रायपुर, संवाददाता।

छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन सीजीएमएससी ने 2023 में 7 प्रकार की दवाएं ब्लैक लिस्टेड कीं। 7 प्रकार की दवाओं में 4 प्रकार की टैबलेट, दो इंजेक्शन व एक शैंपो है। 2025 में 4 फर्मों को बाहर का रास्ता दिखाया गया है। इनमें रीएजेंट की सप्लाई करने वाली मोक्षित कॉर्पोरेशन व इससे जुड़ी फर्म शामिल हैं। सीजीएमएससी ने फरवरी में 7 बड़ी कार्रवाई की थी। इसमें रीएजेंट सप्लाई करने वाले दुर्ग के मोक्षित कॉर्पोरेशन व उससे जुड़े दो अन्य फर्म और डीकेएस अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट आधा-अधूरा बनाने वाले फर्म शामिल है। चारों को 3-3 साल के लिए ब्लैक लिस्टेड किया गया है।

वहीं, खून पतला करने वाले इंजेक्शन हिपेरिन बनाने वाली वड़ोदरा की फार्मास्युटिकल कंपनी के अलावा इंजेक्शन को ओके रिपोर्ट देने वाली दो लैब के साथ रेट कांट्रेक्ट खत्म किया गया है। 660 करोड़ के रीएजेंट व मेडिकल उपकरण घोटाले में दवा कॉर्पोरेशन के बड़े अधिकारियों की भी मिलीभगत होने की आशंका है, जिनके खिलाफ कार्रवाई होनी बाकी है।

तत्कालीन हैल्थ डायरेक्टर व सीजीएमएससी के एमडी के खिलाफकोई कार्रवाई नहीं की गई है। विधानसभा में दी गई जानकारी के अनुसार, 28 करोड़ के रीएजेंट खराब हो चुके हैं। यही नहीं, मोक्षित द्वारा सप्लाई ब्लड जांचने वाली मशीन भी बंद है, क्योंकि इसे लॉक कर दिया गया है। ताकि मोक्षित से ही रीएजेंट लिया जा सके। मोक्षित कॉर्पोरेशन के खिलाफ शिकायत 2022 में हुई थी, लेकिन मामला दबा दिया गया था।

पोर्टल सिस्टम से रियल टाइम जानकारी

सीजीएमएससी के कामों में पारदर्शिता लाने के लिए डीपीडीएमआईएस यानी ड्रग प्रोक्योरमेंट एंड डिस्ट्रीब्यूशन मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम पोर्टल को अब आम लोगों के लिए खोल दिया है। इस पोर्टल के माध्यम से प्रदेश के सभी स्वास्थ्य संस्थानों जैसे मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल, सीएचसी व पीएचसी में दवा, चिकित्सीय उपकरणों की आपूर्ति, वितरण, स्टॉक की स्थिति और यहां तक कि निर्माणाधीन अस्पताल भवनों की प्रगति को भी रियल-टाइम में देखा जा सकता है।

पोर्टल पर सभी निविदाएं, स्वीकृत आपूर्तिकर्ता और अनुबंध मूल्य सूची सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं। दवाओं की डिलीवरी, स्टॉक की वर्तमान स्थिति और लंबित मांग की जानकारी दिन-प्रतिदिन अपडेट होती है। दवा परिवहन में लगे वाहनों की लाइव लोकेशन और उनके रूट की जानकारी भी नागरिक देख सकते हैं। निर्माणाधीन मेडिकल संस्थानों की प्रगति, बजट और योजनागत विवरण अब जनता की नज़रों में रहेगी।

फर्म ब्लैक लिस्टेड कब से कब तक कारण

सभी कंपनियों के प्रोडक्ट को 11 जुलाई 2023 से 11 जुलाई 2026 तक ब्लैक लिस्टेड किया गया है। इनमें मोक्षित कॉर्पोरेशन दुर्ग 4 फरवरी 25 से 3 फरवरी 28 तक भ्रष्टाचार व आपराधिक गतिविधियां

रेकॉर्ड एंड मेडिकेयर पंचकुला 5 फरवरी 25 से 4 फरवरी 28 तक भ्रष्टाचार व आपराधिक गतिविधियां

श्री शारदा इंडस्ट्रीज तर्रा 5 फरवरी 25 से 4 फरवरी 28 तक भ्रष्टाचार व आपराधिक गतिविधियां

मेडिग्लोब मेडिकल शंकरनगर 6 फरवरी 25 से 5 फरवरी 28 तक ऑक्सीजन प्लांट अधूरा व मेंटेनेंस नहीं करना

ये प्रोडक्ट ब्लैक लिस्टेड

हिपेरिन इंजेक्शन बनाने वाली वड़ोदरा की डिवाइन लेबोरेटरी

इंजेक्शन को ओके रिपोर्ट देने वाली इडमा लेबोरेटरीज लिमिटेड पंचकुला

लैब सेटिएट रिसर्च एंड अंटेक प्राइवेट लिमिटेड बरवाला पंचकूला

लिथियम कार्बोनेट 300 एमजी टेबलेट, जी लेबोरेटरी पोंटा साहेब हिमाचल प्रदेश।

एनालाप्रिल मैलेट 2.5 टेबलेट, डॉ. रेड्डी लेबोरेटरी हैदराबाद तेलंगाना।

मैग्नीशियम सल्फेट इंजेक्शन, भारत पैरेंटेरियल वडोदरा गुजरात।

क्लोरफेनिराइमाइन 10 एमजी इंजेक्शन अल्फा लेबोरेटरी इंदौर मप्र।

केटोकोनाजोल 2 फीसदी शैंपो, ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल अंधेरी मुंबई।

क्लोपिडोगरेल टेबलेट, रिवरा फार्मुलेशन हरिद्वार उत्तराखंड।

एसिटिल सैलिसिक एसिड 150 टेबलेट, यूनिक्योर इंडिया नोयडा यूपी के साथ रेट कांट्रेक्ट खत्म कर दिया गया है।

अब प्लेटफार्म 7 से रवाना होंगी साउथ बिहार समेत तीन गाड़ियां

रायपुर । दीपावली और छठ जैसे बड़े त्योहारों पर रायपुर स्टेशन में यात्रियों की भीड़ बढ़ जाती है। ऐसी स्थिति में प्लेटफार्म नंबर 5 की चौड़ाई कम होने के कारण रेलवे प्रशासन ने भीड़ बढ़ने की स्थिति में तीन एक्सप्रेस ट्रेनों को प्लेटफार्म नंबर 5 के स्थान पर 7 नंबर से चलने का निर्णय लिया है। यात्रियों से अनुरोध है कि वह सीधे प्लेटफार्म नंबर 7 पर पहुंचे इसके लिए वह स्टेशन के गुढ़ियारी और के प्रवेश द्वार से सीधे प्लेटफार्म नंबर 7 पर आ सकते हैं। यात्रियों को बल्क मैसेज द्वारा उनके फोन नंबर पर भेजा गया है। लगातार रायपुर स्टेशन पर उद्घोषणा के माध्यम से भी यात्रियों को अवगत कराया जा रहा है । साथ ही कुलियों, सफाई कर्मियों ऑटो संचालकों को भी इस हेतु जागरूक किया गया है कि वह सीधे इन यात्रियों को प्लेटफार्म नंबर 7 पर पहुंचाएं। दुर्ग-पटना साउथ बिहार एक्सप्रेस और दुर्ग-छपरा सारनाथ एक्सप्रेस 22 से 27 अक्टूबर एवं गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस 23 अक्टूबर से प्लेटफार्म 07 से रवाना होगी।

नगर निगम रायपुर द्वारा 20 और 21 अक्टूबर को लगभग 52 मार्गो की मैकेनाइज्ड स्वीपिंग मशीन से 7 स्वीपिंग वाहन लगाकर दीपावली का कचरा साफकरने विशेष रात्रिकालीन सफाई

रायपुर - दीपावली पर्व में भारी मात्रा में निकलने वाले कचरे को साफकरने के उद्देश्य से रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा महापौर श्रीमती मीनल चैबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर, आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर राजधानी शहर रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र मे सिविल लाईन, पंचशील नगर सहित लगभग 52 मार्गो में विगत दिनांक 20 और 21 अक्टूबर की रात्रि को विशेष रात्रिकालीन सफाई अभियान मैकेनाइज्ड स्वीपिंग मशीन से सात रोड स्वीपिंग वाहन लगाकर लगभग 52 मार्गो में दीपावली पर्व के दौरान जनहित में जनस्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से स्वच्छता कायम की गयी है. जिससे दीपवाली पर्व के दौरान मुख्य मार्गो में फटाकों का कचरा सहित अन्य सामग्रियों, रैपर आदि के कचरे के ढेर ना दिखें और इस विशेष रात्रिकालीन मैकेनाइज्ड स्वीपिंग अभियान के माध्यम से राजधानी शहर के रहवासियों को दीपावली पर्व के दौरान त्वरित राहत मिले और दीपावली पर्व के दौरान राजधानी शहर क्षेत्र के मार्गो में स्वच्छ वातावरण कायम रह सके।

राज्य में जनगणना के लिए नगरीय क्षेत्र में प्री टेस्ट जनगणना पूर्व परीक्षण हेतु चयन

भारत सरकार गृह मंत्रालय जनगणना कार्य निदेशालय के आदेशानुसार रायपुर नगर पालिक निगम जोन

क्रमांक 10 के डॉ राजेन्द्र प्रसाद वार्ड 52 का छत्तीसगढ़ 0

संवाददाता। निगम आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर जोन 10 राजस्व विभाग नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा वार्ड क्रमांक 52 के सभी लगभग 8000 जनगणना भवनो में भवन संख्या डालने और भवनों को सूचीबध्द करने का कार्य निरन्तर प्रगति पर, अब तक लगभग 2500 भवनों में भवन संख्या डाली जा चुकी, जनगणना निदेशालय के अधिकारी श्री हीरेन्द्र सिंहा ने किया कार्य का प्रत्यक्ष निरीक्षण 0

रायपुर - भारत सरकार गृह मंत्रालय जनगणना कार्य निदेशालय के आदेशानुसार रायपुर नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक 10 के अंतर्गत डॉ राजेन्द्र प्रसाद वार्ड क्रमांक 52 को छत्तीसगढ़ राज्य में जनगणना के लिए नगरीय क्षेत्र में प्री टेस्ट जनगणना पूर्व परीक्षण हेतु चयनित किया गया है।

आज जनगणना निदेशालय के अधिकारी श्री हीरेन्द्र सिंहा ने नगर निगम जोन 10 के वार्ड 52 अंतर्गत कार्य का स्थल पर नगर निगम जोन 10 राजस्व विभाग और नगर निवेश विभाग की टीम सहित रायपुर नगर निगम के आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम जोन 10 द्वारा किये जा रहे कार्य की प्रगति का प्रत्यक्ष निरीक्षण नगर निगम जोन कमिश्नर श्री विवेकानंद दुबे, नोडल अधिकारी सहायक अभियंता श्री योगेश यदु, सहायक नोडल अधिकारी जोन सहायक राजस्व अधिकारी श्री गौरीशंकर साहू की उपस्थिति में किया.

नगर निगम जोन 10 राजस्व विभाग और नगर निवेश विभाग की टीम के कर्मचारियों द्वारा वार्ड क्रमांक 52 क्षेत्र अंतर्गत स्थित सभी लगभग 8000 जनगणना भवनों में भवन संख्या डालने और भवनों को सूचीबध्द करने का कार्य निरन्तर तेज गति से प्रगति पर है और लगभग 2500 भवनों में भवन संख्या डालने का कार्य किया जा चुका है, कार्य को तय समयसीमा के भीतर पूर्ण किया जाना है।

रायपुर नगर पालिक निगम ने नगर पालिक निगम जोन 10 के डॉ राजेन्द्र प्रसाद वार्ड क्रमांक 52 क्षेत्र की समस्त रहवासी जनता से प्री टेस्ट जनगणना पूर्व परीक्षण के कार्य में नगर पालिक निगम रायपुर जोन कमांक 10 के राजस्व विभाग और नगर निवेश विभाग की टीम को सभी लगभग 8000 जनगणना भवनों में भवन संख्या डालने और भवनों को सूचीबध्द करने के कार्य में भारत सरकार गृह मंत्रालय जनगणना कार्य निदेशालय के आदेशानुसार किये जा रहे आवश्यक कार्य में सहयोग देने की एक बार पुनः विनम्र अपील की है।

पुलिस से बचने भाग रहा बदमाश का पैर टूटा

रायपुर, हिस्ट्रीशीटर बदमाश पुलिस को देखकर घर की छत से कूद गया। इस घटना में बदमाश के दोनों पैर टूट गए और वो गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, हिस्ट्रीशीटर बदमाश विक्की खोचड़ की गुंडागर्दी का एक वीडियो वायरल हुआ था। इस वीडियो में विक्की एक युवक को अपने दोस्तों और पत्नी के साथ जमकर पीटा था। इस वीडियो के वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपी विक्की खोचड़ के खिलाफमामला दर्ज किया था। वहीं जब आज सिविल लाइन पुलिस की टीम हिस्ट्रीशीटर बदमाश विक्की खोचड़ को गिरफ्तार करने पहुंची, तो आरोपी पुलिस को देखकर छत से कूद गया। छत से कूदने के कारण विक्की के दोनों पैर टूट गए और वो गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल विक्की को इलाज के लिए मेकाहारा अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 अन्तर्गत राज्योत्सव के अवसर पर रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में

संवाददाता

रायपुर - छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस समारोह राज्योत्सव- 2025 का आयोजन 1 से 5 नवम्बर, 2025 तक किया जा रहा है। वर्ष 2025-26 राज्य के लिए ऐतिहासिक अवसर है। यह वर्ष छ.ग. राज्य गठन के रजत जयंती वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। उक्त परिप्रेक्ष्य में राज्य शासन की मंशानुसार दिनांक 26 अक्टूबर से 9 नवम्बर 2025 तक विशेष स्वच्छता पखवाड़ा- 2025 का आयोजन किया जाना है। उपरोक्त अभियान के सफल

क्रियान्वयन हेतु प्रदेष के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में उपमुख्यमंत्री नगरीय प्रषासन एवं विकास विभाग श्री अरूण साव के मार्गदर्षन में, राज्य के नगरीय निकाय क्षेत्र अंतर्गत दिषा निर्देष राज्य शहरी विकास अभिकरण ने दिये है।

रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में विषेष स्वच्छता पखवाडा 2025 दिनांक 26 अक्टूबर से 9 नवंबर 2025 के दौरान राज्य शासन की मंषा अनुसार राज्योत्सव 1 से 5 नवम्बर 2025 तक के आयोजन पर नगरीय निकाय क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में आयोजन के संबंध में नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चैबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर, आयुक्त श्री विष्वदीप ने नगर निगम रायपुर के सभी 10 जोनो के जोन कमिष्नरो और जोन स्वास्थ्य अधिकारियों को आवष्यक निर्देष दिये है।

राज्य शासन की मंषा अनुसार राज्य शहरी विकास अभिकरण के दिषा निर्देष अनुरूप विषेष स्वच्छता पखवाडा दिनांक 26 अक्टूबर से 9 नवंबर 2025 के आयोजन के अंतर्गत 26 अक्टूबर को घर घर जारूकता अभियान, 27 व 28 अक्टूबर को नागरिको के सहयोग से स्वच्छता लक्षित इकाई में श्रमदान, 29 व 30 अक्टूबर को सफाई मित्र सुरक्षा षिविर का आयोजन, 31 अक्टूबर को वृक्षारोपण, 1 नवंबर को स्वच्छ रंगोली एवं इंटर

स्कूल प्रतियोगिता, 2 नवंबर को स्वच्छता श्रमदान, 3 नवंबर को स्वच्छ फूड स्ट्रीट, 4 नवंबर को स्वच्छ खेल महोत्सव, 5 व 6 नवंबर को एसएलआरएम सेन्टरो का रखरखाव, 7 नवंबर को एसएलआरएम विजिट एवं वेस्ट टू आर्ट प्रदर्षन, 8 व 9 नवंबर 2025 को सार्वजनिक, सामुदायिक शौचालयो की सफाई से संबंधित सकारात्मक स्वच्छता गतिविधियां की जानी है।

छत्तीसगढ़ बंगाली मित्र समाज भिलाई में विजया मिलन समारोह का आयोजन किया

एजेंसी। छत्तीसगढ़ बंगाली मित्र समाज भिलाई कैंप क्षेत्र के सदस्यों की ओर से बुधवार को कैम्प 2 विवेकानंद नगर बंगाली मोहल्ला हरि संघ काली मंदिर के प्रांगण एवं सामने स्थल पर विजया मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्ति सहित समाजबंधु शामिल हुए। इस समारोह में लोगों के द्वारा बड़ों के पैर छूकर आशीर्वाद लेते वहीं बड़ों के द्वारा छोटों को प्यार व दुलार देते हुए देखा गया तथा गुड़ के बनाए गए नारियल लड्डू एक दूसरे को खिलाया गया । दुर्गा पूजा के बाद बंगाली समाज का एक पारंपरिक यह उत्सव है। यह कार्यक्रम आमतौर पर दुर्गा पूजा के समापन के बाद होता है। लोग एक दूसरे के घर जाकर शुभकामनाएं देते है। यह आपसी भाईचारे और सौहार्द को बढ़ावा देने का अवसर है। आयोजन के इस मौके पर महिला सदस्यों के द्वारा कृष्णा मास के अवसर पर होने वाले सामूहिक पाठ का भी आयोजन तथा बांग्ला भाषा में गीत प्रस्तुति की गई । इस मौके पर सहभोज के साथ समाज के विकास के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई । कार्यक्रम में अतिथि के रूप में समाज के सुमित घोषाल, तपन दास, काजल चक्रवर्ती, अमिताभ सरकार, विद्युत चौधरी , डॉ मजूमदार , जितेन्द्र सरकार उपस्थित हुए तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ बंगाली मित्र समाज के प्रदेशाध्यक्ष सुमन शील ने की है। सम्बोधन के कड़ी में सर्वप्रथम काजल चक्रवर्ती ने बताया कि एक समय इस

क्षेत्र में एक मात्र दुर्गा पूजा हाउसिंग बोर्ड कालीबाड़ी में हुआ करता था जहां पर सुभाष नगर, विवेकानंद नगर, शर्मा कॉलोनी के लोग एकत्रित होते थे क्योंकि एक कालीबाड़ी हुआ करता था । आज विभिन्न क्षेत्रों पर कालीबाड़ी बन गए हैं, जिससे लोग अपने अपने क्षेत्र में बंधकर रह गए हैं परंतु हम सभी को एक जगह उपस्थित होने से कहीं ना कहीं एक दूसरे के सुख दुख का पता चल पाता है। लोगों को एक जगह बांधने का यह कार्य बंगाली बंधु समाज के द्वारा विजया मिलन समारोह के जरिए किया गया है। अपने अपने संबोधित में सभी अतिथियों ने छत्तीसगढ़ बंगाली बंधु समाज से ज्यादा से ज्यादा जुड़ने का आह्वान किया है । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे समाज के प्रदेशाध्यक्ष सुमन शील ने कहा कि समाज एक बड़ा व्यापक समूह है जो समान संबंधों कानून और संस्कृति को साझा करता है । समाज विशाल होता है जिसमें कई समुदाय और विभिन्न प्रकार के लोग शामिल होते हैं । छत्तीसगढ़ में बंगाली समाज की आबादी 8त्न प्रतिशत से अधिक होने के बावजूद आज भी बंगाली समाज अपने अधिकारों से वंचित है। उस वंचित को खत्म करने के लिए हमें एकजुट होने की आवश्यकता है । कार्यक्रम के अंत में भिलाई विधानसभा महिला विंग का अध्यक्ष श्रीमती तुलसी राय, वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र महिला विंग की अध्यक्ष काजल राय तथा वार्ड 33 विवेकानंद नगर कैंप 2 महिला विंग की अध्यक्ष नर्मदा राय की घोषणा कर नियुक्ति पत्र सौंपा गया । समारोह में बंगाली दुर्गा पूजा समिति सुभाष नगर के संगम दुर्गा पूजा समिति के प्रभात राय, मिलन मजूमदार एवं शर्मा कॉलोनी सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति के नरेश शील, सुजित शील को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया तथा विवेकानंद नगर निवासी 80 वर्षीय श्रीमती अल्पना राय को बंगाली संस्कृति की अलख आने वाली पीढ़ी के साथ साझा करने वाली कार्य के लिए उपस्थित अतिथियों के हाथों से स्मृति चिन्ह देकर सम्मान कर आशीर्वाद लिया गया ।कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से सुब्रत राय, सपन राय, राजेश सरकार, उत्तम विश्वास, सुशील पात्रों, मानिक शील, भूपति मण्डल, गणेश शील, रंजन प्रसाद, कोमल सरकार, चित्रा मण्डल , सुजाता सरकार, ममता पात्रों, नर्मदा राय, काजल राय का विशेष सहयोग रहा है ।

संपादकीय

चरमपंथी नक्सलवाद का अंत आवश्यक

बहरहाल, यह बहस का मुद्दा है कि माओवाद का यह पराभव सिर्फ सरकारी नजरिया बदलने के कारण हुआ है, या भारतीय राज्य के चरित्र एवं समाज की समझ संबंधी गलतियां माओवादियों को इस मुकाम तक ले आई हैं। विचारणीय है कि क्या राजनीति में अतिवादी दृष्टिकोण अपनाना और भारतीय राज्य के खिलाफ हर सामाजिक विभाजन रेखा का लाभ उठाने की उनकी रणनीति उनके लिए घातक साबित हुई? इस रणनीति के तहत धीरे-धीरे वे पहचान की राजनीति के इर्द-गिर्द गोलबंदी करने की हद तक चले गए, जिससे वे एक बंद गली में पहुंचे। इसी समय सरकार के नजरिए में आया बदलाव उन पर भारी पड़ा। नतीजा यह हुआ कि आखिरकार संवैधानिक दायरे के अंदर आने के लिए उन्हें मजबूर होना पड़ा है। साधारण तौर पर 'वामपंथी चरमपंथ' से ग्रस्त जिलों की संख्या 18 से घट कर 11 रह गई है। गुजरे एक साल में सैकड़ों माओवादी मारे गए हैं, गिरफ्तार हुए हैं या उन्होंने समर्पण कर दिया है।

बिहार में विधानसभा चुनावों से प्रशांत किशोर को क्या उम्मीद है।

अजय दीक्षित

बिहार विधानसभा चुनावों में पहली बार भाग ले रही जनस्वराज पार्टी के मुखिया प्रशांत किशोर ने अमेरिका के एक टी वी चैनल ष्टहृह को बताया कि वह इस चुनाव में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए लड़ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि बिहार विधानसभा चुनाव छह और ग्यारह नवंबर 2025 को होने वाले हैं।243 सीट की बिहार विधानसभा में मुख्य मुकाबला NDA और INDIA ब्लॉक के बीच है। वर्तमान में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली NDA सरकार है। 2020 के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी और जेडीयू,हम, लोकजनशक्ति, साथ हो कर चुनाव लड़े थे। भारतीय जनता पार्टी ने सर्वाधिक 74 सीट जीती थी जबकि जेडीयू ने 47 , राजद और कांग्रेस का महागठबंधन बहुमत से दूर रहा था।

अब बात करते हैं प्रशांत किशोर की वे देश में लाइम लाइट जब आए तब 2014 के लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत मिला।

और प्रशांत किशोर का नाम चुनाव विशेषज के रूप में सामने आया। प्रशांत किशोर बिहार के सहरसा जिले के रहने वाले हैं और इससे पहले विदेश में थे।

प्रशांत किशोर ने लगभग अरविन्द केजरीवाल की तरह राजनीति में प्रवेश किया।वे भी बिहार में रोजगार, पलायन,भाईभतीजाबाद, भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को लेकर चुनाव मैदान में हैं। बिहार विधानसभा की सभी 243 सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं लेकिन खुद उम्मीदवार नहीं हैं। बिहार में आजादी के बाद से ही जातिवाद, क्षेत्रवाद, नौकरशाही, जैसी राजनीतिक कुरीतियां का जन्म हुआ लेकिन 1977 तक कांग्रेस सत्ता में बनी रही थी। 1977 में कर्पूरी ठाकुर नेता बनकर आए और मुख्यमंत्री बने उनके बाद भी कांग्रेस फिर सत्ता में आई,। जगन्नाथ मिश्र,भागवत झा आजाद मुख्यमंत्री बने ।1989 में जनतादल से लालू प्रसाद यादव मुख्यमंत्री बने उनका जादू 2004 में खत्म हुआ। प्रशांत किशोर पहली बार पलायन, गरीबी, बेरोज़गारी, जैसे मुद्दे नहीं उठा रहे हैं बल्कि लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार भी यही कहते हैं लेकिन बिहार से पलायन कभी नहीं रुका है यह तो आजादी से पहले से जारी है। क्योंकि बिहार की परिस्थितियों का अध्ययन करे तो पाया जाता है कि जातिगत शोषण एक विकराल समस्या है। बिहार में एक तबका जिसमें क्षत्रिय, भूमिहार, ब्राह्मण, और बनिया है जिसका सभी संसाधनों पर कब्जा है तो दूसरी ओर मुसलमान और यादव है जो बाहुबली है ।अब कुर्मी, निषाद,पासवान,अन्य अनुसूचित जाति है जो मजदूर और खेतिहर मजदूर भी है।ये ही लोग पहले बंगाल,अब मुंबई, दिल्ली की ओर भारी संख्या में जा बसे हैं। दिल्ली में तो पचास लाख बिहारी है जो रोजमर्रा का काम करते हैं जैसे ढकेल चलाना,रेडी, खोमचे वाले, ई रिक्शा, ऑटो इन्हीं के हवाले हैं जहां उन्हें रोजगार भी है और स्वाभिमान भी । प्रशांत किशोर चाहते हैं कि सरकार बिहार ऐसा बुनियादी ढांचा बनाए कि पलायन रुके । विश्व बैंक ने बिहार को सबसे फिसड्डी राज्य माना है जहां न रोजगार है न शिक्षा, न चिकित्सा।

सबसे बड़ी बात यह है कि कोई औद्योगिक विकास नहीं है क्योंकि उचित बातावरण नहीं है। **यह निजी विचार है।**

संपत्ति विरासत के विवाद आम है!

रजनीश कपूर

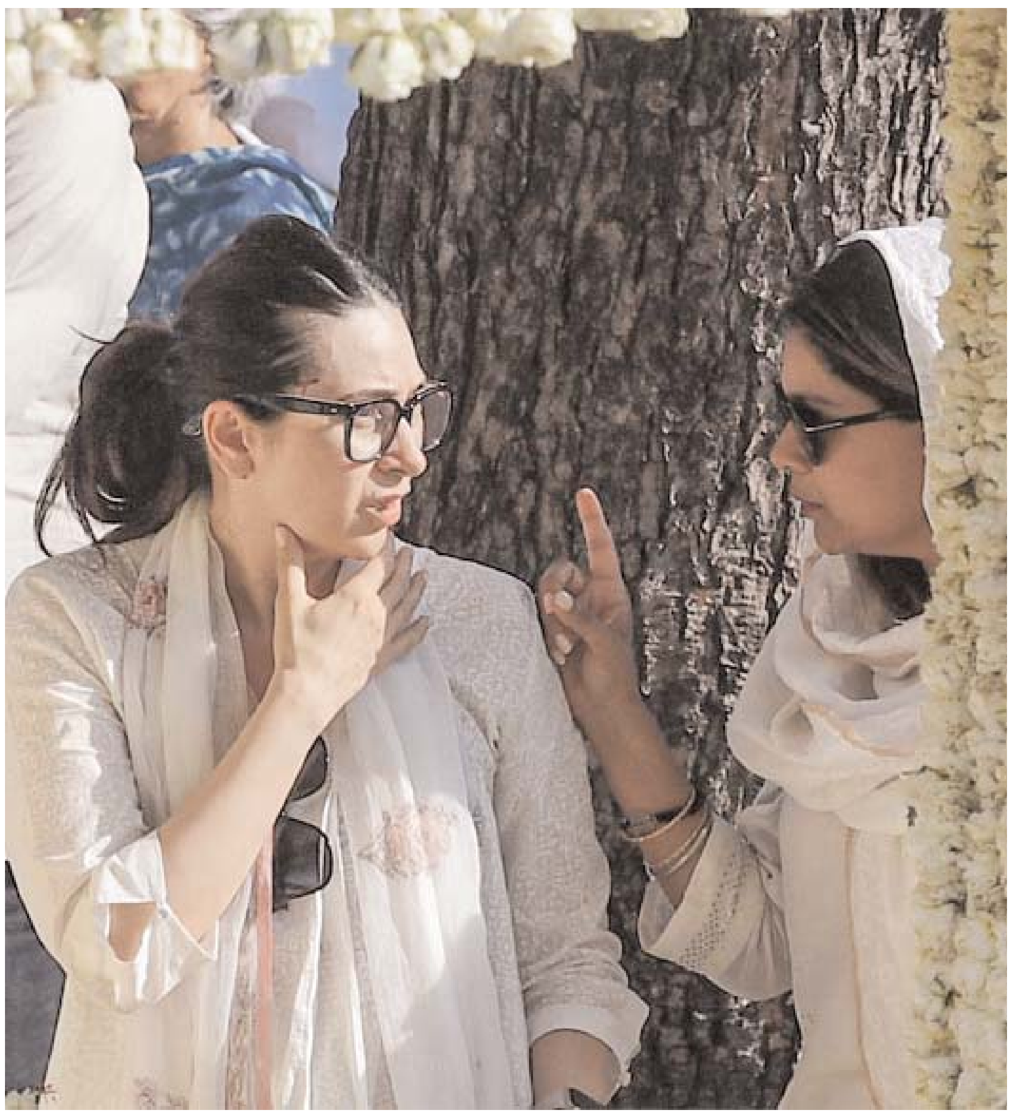

भारत में संपत्ति विरासत के मुख्यतः दो आधार होते हैं। वसीयतनामा (विल) और उत्तराधिकार कानून (सक्सेशन लॉ)। यदि किसी व्यक्ति ने वैध वसीयत बनाई है, तब संपत्ति उसी के अनुसार बांटी जाती है। अगर वसीयत में कोई गड़बड़ी या विवाद है, या अगर वसीयत ही नहीं है, तो 1925 का इंडियन सक्सेशन एक्ट लागू होता है।ज संपत्ति और वसीयत पर शायद किसी ने खूब लिखा है, ÷अगर लिखोगे वसीयत अपनी, तो जान पाओगे ये हकीकत। तुम्हारी अपनी ही मिल्कियत में, तुम्हारा हिस्सा कहीं नहीं है।÷

प्रसिद्ध लोगों की संपत्ति का बंटवारा अक़्सर विवादों के घेरे में रहता है। हाल ही में करिश्मा कपूर और उनके पूर्व पति, उद्योगपति संजय कपूर की संपत्ति को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में चल रहे विवाद ने समाज और कानूनी व्यवस्था के कई पहलुओं को उजागर किया है। इस संपत्ति विवाद का विश्लेषण करने पर यह साफ़ होता है कि न सिर्फ़ कपूर परिवार बल्कि पूरे देश के अनेक धनी परिवारों में यह समस्या आम है और अक्सर इसमें परिवारजनों के निजी रिश्ते और कानूनी पेचिदगियां उलझ जाती हैं।

संजय कपूर की मौत के बाद उनकी संपत्ति, जिसका मूल्य लगभग 30,000 करोड़ रुपये आंका जाता है, को लेकर करिश्मा कपूर की बेटी समायरा और बेटा कियान ने अपनी सौतेली माँ प्रिया सचदेव कपूर और अन्य पर आरोप लगाया कि वे दोनों बच्चों के अधिकारों को हड़प रही हैं। उन्होंने कोर्ट में याचिका दायर की, जिसमें संजय कपूर के अंतिम वसीयत की वैधता को भी चुनौती दी गई है। बच्चों के वकील ने आरोप लगाया कि ÷वसीयत में गंभीर गलतियाँ हैं तथा उसे मरने के सात हफ्ते बाद ही प्रस्तुत किया गया।÷

बच्चों का कहना है कि उनके पिता ने उन्हें उनकी हिस्सेदारी का आश्वासन दिया था, लेकिन अचानक पेश की गई वसीयत में उनकी संपत्ति का कोई ज़िक्र नहीं है। दूसरी तरफ, प्रिया सचदेव कपूर की ओर से दावा किया गया है कि समायरा और कियान को पहले ही आर. के. परिवार ट्रस्ट के माध्यम से 1900 करोड़ रुपये दिये जा चुके हैं। लेकिन बच्चों के अनुसार उन्हें अभी तक उस धन की कोई भी किश्त नहीं मिली है। इस गंभीर कानूनी लड़ाई में संजय कपूर की मां, रानी कपूर ने भी अपनी बहू प्रिया के विरुद्ध अदालत में आरोप लगाए हैं कि वसीयत में गड़बड़ी हुई है और उनकी सहमति के बिना संपत्ति का हस्तांतरण किया जा रहा है।

भारत में संपत्ति विरासत के मुख्यतः दो आधार होते हैं। वसीयतनामा (विल) और उत्तराधिकार कानून (सक्सेशन लॉ)। यदि किसी व्यक्ति ने वैध वसीयत बनाई है, तब संपत्ति उसी के अनुसार बांटी जाती है। अगर वसीयत में कोई गड़बड़ी या विवाद है, या अगर वसीयत ही नहीं है, तो 1925 का इंडियन सक्सेशन एक्ट लागू होता है। ज्यादातर संपत्ति विवाद इन स्थितियों में आते हैं, वसीयत की प्रमाणिकता (छेड़छाड़ या जबरन तैयारी), सभी वैध उत्तराधिकारियों को उनका हक़ न मिलना, वसीयत के कानूनी तकनीकी मुद्दे (साक्ष्य, गवाह, तिथि या चिकित्सीय स्थिति) या परिवार के भीतर भावनात्मक और सामाजिक टकराव।

सुप्रीम कोर्ट ने कई मामलों में पारिवारिक संपत्ति विवादों पर फैसले दिए हैं, जो भारत में वसीयत और उत्तराधिकार कानून को स्पष्ट करते हैं। इनमें संयुक्त वसीयत की वैधता और उत्तराधिकारियों को उचित हिस्सा देने के दिशा-निर्देश शामिल हैं। कुछ मामलों में अदालतों ने संयुक्त वसीयत को मान्यता देते हुए उत्तराधिकारियों को मुआवजा भी दिया है।

संपत्ति विवाद को सुलझाने के लिए अदालत सबसे पहले वसीयत की प्रमाणिकता की जांच करती है। वसीयत को नियमित रूप से कानूनी तौर पर पंजीकृत होना चाहिए और उसके साक्ष्य होने चाहिए (गवाहों की उपस्थिति, दस्तावेज़ की तिथि, संपत्ति का स्पष्ट उल्लेख)। अगर वसीयत वैध साबित होती है, तो संपत्ति उसी के अनुसार बाँटी जाती है। यदि वसीयत साबित नहीं होती या कोई ग़लतफ़हमी होती है, तब अदालत उत्तराधिकार कानून के अनुसार बहनों, बच्चों, पत्नी, माता-पिता आदि को संपत्ति में समान हिस्सा देती है।

देश के कई अमीर और बड़े परिवारों में विरासत का विवाद पुराना है। अम्बानी, मोदी, ओबेरॉय, कपूर इत्यादि परिवारों में धन और वर्चस्व की लड़ाई कानून और मीडिया के केंद्र में आई है। मुख्य कारण हैं, परिवार में संवाद की कमी और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा, पारिवारिक ट्रस्ट और जटिल शेयरधारिता संरचनाएँ, जिस व्यक्ति की सम्पत्ति है, उसकी अंतर्निहित इच्छा स्पष्ट न होना या कानूनी दस्तावेज़ों की तकनीकी गलतियाँ तथा खुदगर्जी।

इन घटनाओं से समाज और कानून के लिए कुछ महत्वपूर्ण सबक हैं। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी वसीयत स्पष्ट, पारदर्शी और कानूनी रूप से दर्ज करानी चाहिए। परिवारजनों को संवाद के ज़रिए विवाद सुलझाने की कोशिश करनी चाहिए, न कि सार्वजनिक रूप से लड़ाई को बढ़ाना चाहिए। अदालतें न्याय देने में निष्पक्ष रहती हैं, लेकिन लंबी कानूनी लड़ाइयों से परिवार का नुकसान और समाज की संसाधनों की बर्बादी होती है। बड़े पैमाने पर संपत्ति की पारदर्शिता जरूरी है ताकि भावी पीढ़ी संपत्ति विवादों से बच सके।

संजय कपूर और करिश्मा कपूर के बच्चों का संपत्ति विवाद इस बात का प्रतीक है कि संपत्ति के बंटवारे का मसला केवल पैसों तक सीमित नहीं, बल्कि यह रिश्तों, विश्वसनीयता और सामाजिक पहचान से भी जुड़ा है। भारत में वसीयत और संपत्ति का बंटवारा केवल क़ानून का सवाल नहीं, बल्कि यह परिवार की संस्कृति, संवाद और इमानदारी का भी प्रतिबिंब है। जिस समाज में पारदर्शिता और न्याय को प्राथमिकता मिलेगी, वही अपने भविष्य की पीढ़ियों को सुरक्षित संपत्ति अधिकार दे सकेगा। संपत्ति और वसीयत पर शायद किसी ने खूब लिखा है, ÷अगर लिखोगे वसीयत अपनी, तो जान पाओगे ये हकीकत। तुम्हारी अपनी ही मिल्कियत में, तुम्हारा हिस्सा कहीं नहीं है।÷

यह निजी विचार है।

बिहार : 'वोट खरीद' की विद्रूपता के भरोसे

सत्येन्द्र रंजन

फिलहाल यही नजर आता है कि बिहार में 6 और 11 नवंबर को होने जा रहे मतदान एक सामान्य चुनाव का हिस्सा होंगे। इसमें कोई ऐसा नया तत्व नहीं है, जो मतदाताओं में नई आशाएं पैदा करे। प्रशांत किशोर नया तत्व जरूर हैं, मगर अरविंद केजरीवाल की यादें अभी इतनी ताजा हैं कि उनका नयापन कोई उम्मीद पैदा नहीं करता। तो कुल मिलाकर सूरत यह बनती है कि चुनावबाज दल, नेता, और मीडियाकर्मी (हर चुनाव की तरह) इस चुनाव को लेकर जितने उत्साहित नजर आते हैं, वैसे उत्साह की कोई वजह आम जन को शायद ही नजर आती होगी!

बिहार के सबसे नए राजनीतिक उद्यमी प्रशांत किशोर को इसका श्रेय देना होगा कि उन्होंने विधानसभा चुनाव से ठीक पहले सत्ताधारी एनडीए को सुशासन के दावे और भ्रष्टाचार के मुद्दे से वंचित कर दिया है। वरना, लालू-राबड़ी के कथित जंगल राज का हौव्वा खड़ा करना हर चुनाव में एनडीए की खास रणनीति रहती थी। ये दीगर बात है कि इस बार जंगल राज की याद दिलाने की सबसे ज्यादा कोशिश प्रशांत किशोर कर रहे हैं!

किशोर ने एनडीए नेताओं सम्राट चौधरी, अशोक चौधरी, दिलीप जायसवाल आदि पर गंभीर इल्जामों की झड़ी लगा रखी है। इससे ना सिर्फ एनडीए को कठघरे में खड़ा दिखा है, बल्कि इस कारण सत्ताधारी गठबंधन की अंदरूनी दरारें भी सामने आई हैं। परिणाम यह हुआ है कि भाजपा- जनता दल (यू)- एलजेपी- हिंदुस्तानी आवाम पार्टी का गठबंधन अब पूरी तरह 'वोट खरीद' और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण पर निर्भर हो गया है।

सांप्रदायिक ध्रुवीकरण भाजपा की चुनावी रणनीति में मौजूद स्थायी तत्व है। पार्टी नेता कभी इसे पृष्ठभूमि में रखते हैं, तो कभी जरूरत के हिसाब से उसे उग्र रूप देते हैं। कई राज्यों में सिर्फ यही तत्व भाजपा को चुनाव जिताने में कारगर रहता आया है। मगर बिहार में अभी तक इसके निर्णायक होने का भरोसा शायद भाजपा नेतृत्व को नहीं है। इसीलिए नीतीश कुमार के मुखौटे की जरूरत उसे अभी भी है। नीतीश ढलान के दौर में हैं। बार-बार पाला बदलने से उनकी पुरानी छवि नष्ट हो चुकी है। सुशासन का नकाब उतर चुका है। उनकी सेहत को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं हैं। फिर भी भाजपा उन्हें मुखौटा बनाए रखने पर मजबूर है, तो उसकी वजह अपनी ताकत पर पार्टी नेताओं का अविश्वास ही है।

नीतीश कुमार ने जो गंवाया है, उसकी चुनावी भरपाई उन्होंने मुक्त हाथ से सरकारी पैसा बांट कर करने की कोशिश की है। लगभग डेढ़ करोड़ परिवारों में महिलाओं के खाते में दस हजार रुपये का ट्रांसफर, लाखों युवाओं को दो साल तक हर महीने एक हजार रुपये का बेरोजगारी भत्ता, वृद्धावस्था एवं विकलांग पेंशन में भारी बढ़ोतरी, होमगार्ड्स के भत्तों में इजाफा, राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते की नई किस्त आदि जैसी कई घोषणाएं हैं, जिन्हें सीधे तौर पर 'वोट खरीद' योजना की श्रेणी में रखा जा सकता है। भारत में अब इस योजना का आम चलन हैं। मगर नीतीश सरकार इसे एक नई ऊंचाई और नई विद्रुपता तक ले गई है।

चुनावों के संदर्भ में ऐसी योजनाएं कारगर रहती आई हैं। वैसे तो इनका चलन पहले भी था, लेकिन केंद्रीय सत्ता में आने के बाद नरेंद्र मोदी सरकार इसे जो नीतिगत रूप दिया, वह अभूतपूर्व है। मोदी सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रह्मण्यम ने इसे 'कल्याण संबंधी नई सोच' कहा है। मतलब यह कि समाज एवं अर्थव्यवस्था के निर्माण की दीर्घकालीन योजनाओं में निवेश के बजाय पैसा सीधे लोगों के हाथ में दिया जाए। इससे लोगों को महसूस होता है कि सरकार/ सत्ताधारी नेता ने उनके लिए कुछ किया है। दीर्घकालीन योजनाओं का लाभ सीधे किसी को महसूस नहीं होता- इसलिए चुनावी लिहाज से वे ज्यादा फायदेमंद नहीं होतीं!

भाजपा का आकलन है कि 2024 में लोकसभा चुनाव में हार के बाद महाराष्ट्र में विधानसभा का चुनाव उसने ऐसी ही योजनाओं- खासकर लाड़ली बहन योजना- के जरिए पलट दिया। अब वही पैटर्न बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए ने अपनाया है। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक इस दांव का अच्छा असर हुआ है। क्या यह निर्णायक होगा, यह जानने के लिए हमें 14 नवंबर का इंतजार करना होगा, जिस रोज वोटों की गिनती होगी।

चुनाव नतीजों को तय करने में संभवतः एक फैक्टर प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी का भी होगा। किशोर ने अपना यह उद्यम लॉन्च करने के बाद से कुछ ऐसी ध्वनियां पैदा की हैं, जिनकी झंकार दूर तक गई है। हालांकि किशोर अपनी पार्टी की अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी से तुलना पसंद नहीं करते, मगर उनकी ध्वनियां और कार्यसूची काफी कुछ केजरीवाल से मेल खाती हैं। मीडिया इंटरव्यूज में किशोर ने कहा है कि आंदोलन और क्रांति में उनका भरोसा नहीं है, इसलिए अन्ना आंदोलन की कोख से निकली आम आदमी पार्टी से जन सुराज की तुलना नहीं की जानी चाहिए। मगर दो बातें इन प्रयोगों को एक जगह खड़ी करती हैः

आम आदमी पार्टी के आरंभिक दिनों में योगेंद्र यादव जैसे इसके सिद्धांतकार यह खुलेआम कहते थे कि इस नई पार्टी की कोई विचारधारा नहीं है- यह समाधान उन्मुख पार्टी है। पार्टी विचारधारा में बिना बंधे लोगों की समस्याओं का समाधान निकालना चाहती है। दिल्ली में दस वर्ष के शासनकाल में आम आदमी पार्टी ने बिजली, पानी शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था के क्षेत्र में लोक-लुभावन पहल को अपनी खास पहचान बनाने की कोशिश की।?

जन सुराज ने अपना मुख्य एजेंडा बिहार में स्कूली शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करना और पलायन रोकना बताया है। पार्टी का दावा है कि यही बिहार की मुख्य समस्याएं हैं, जिसका समाधान वह पेश करेगी। जन सुराज भी किसी खास विचारधारा की बात नहीं करती। इस रूप में संभवतः वह भी खुद को समाधान उन्मुख पार्टी ही मानती है।?

जन सुराज के बैनरों पर महात्मा गांधी और भीम राव अंबेडकर की तस्वीरें नजर आती हैं। पंजाब में कामयाब होने से पहले तक आम आदमी पार्टी ने भी इन्हीं दो तस्वीरों का सहारा लिया था। पंजाब में उसने गांधीजी की जगह भगत सिंह की तस्वीर को दे दी।?

एक अन्य समानता केजरीवाल और प्रशांत किशोर की अपनी पृष्ठभूमियां हैं। दोनों सुविधा-संपन्न और पेशेवर समूह से आए हैं और दोनों के डिस्कोर्स मध्य वर्गीय रंग लिए रहे हैं।?

अन्ना आंदोलन के जरिए केजरीवाल ने दिल्ली में अपनी सियासी जमीन तैयार की थी। प्रशांत किशोर ने बिहार में दो साल की पदयात्राओं के जरिए अपनी जमीन बनाने की कोशिश की है। केजरीवाल ने पुराने राजनीतिक दलों को एक जैसा (सब आपस में मिले हुए हैं) बता कर खुद पर दांव लगाने के लिए मतदाताओं को उत्प्रेरित किया था। इसमें वे सफल रहे। प्रशांत किशोर का भी सारा दांव इस आकलन पर है कि बिहार में मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा लालू और नीतीश में से एक को चुनने की मजबूरी से तंग आ चुका है। अतः नया विकल्प सामने होगा, तो वे मतदाता उस पर दांव लगाएंगे। क्या ऐसा होगा? इस विधानसभा चुनाव के संपन्न होने तक यह सवाल महत्त्वपूर्ण बना रहेगा।?

फिलहाल यह अनुमान लगाया जा सकता है कि जन सुराज पार्टी की उपस्थिति दर्ज होगी। किस हद तक- यह कहना अभी कठिन है। जन सुराज का दांव एनडीए और महागठबंधन- दोनों से वोट छीनने पर टिका है। इस सिलसिले में उसकी ध्वनियों का प्रभाव देखा गया है। मगर मतदान का निर्णय अंततः कई अन्य पहलुओं से तय होता है। सांप्रदायिक ध्रुवीकरण से प्रभावित मतदाताओं का भाजपा के साये में खुद को 'सुरक्षित' महसूस करना इस वक्त ऐसा एक पहलू है। 'संविधान और सामाजिक सद्भाव बचाने' के लिए भाजपा को किसी कीमत पर हराना एक दूसरा पहलू है। बिहार में गुजरे तीन दशकों से लालू समर्थन और विरोध भी ऐसे पहलू रहे हैं। ऐसे सामाजिक वर्गों के मतदाता बड़ी संख्या में मौजूद हैं, जो लालू राज के दौरान हुए अपने 'सशक्तीकरण' को याद रखे हुए हैं।

क्या प्रशांत किशोर की ध्वनियां इन तमाम पहलुओं को मात दे पाएंगी? या उन ध्वनियों का असर सीमित रहेगा, नतीजतन जन सुराज वोट कटवा अधिक भूमिका नहीं निभा पाएगी? वह सबसे ज्यादा किसके वोट काटेगी? क्या बिहार में बदलाव चाहने वाले मतदाताओं के एक हिस्से को आकर्षित कर यह सत्ताधारी गठबंधन की मददगार बनेगी? अथवा, नीतीश कुमार से ऊबे ऐसे मतदाताओं को यह अपनी ओर खीचेंगी, जो लालू यादव से नाराजगी के कारण महा-गठबंधन को वोट नहीं देते और इस रूप में यह महा-गठबंधन की सहायता करेगी? ये सब ऐसे सवाल हैं, जिन पर बिहार चुनाव के पूरे दौर में चर्चा जारी रहने वाली है।

फिलहाल, जो नजर आता है, वो यह है कि सत्ताधारी गठबंधन की संभावनाएं सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और 'वोट खरीदो' योजना की सफलता पर टिकी हुई हैं। सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के अंदर विभिन्न जातियों को प्रतिनिधित्व देकर भाजपा ने जो 'सोशल इंजीनियरिंग' देश के ज्यादातर हिस्सों में की है, बिहार उससे अलग नहीं है। एनडीए में नीतीश कुमार को मिली अहमियत खुद उसी 'सोशल इंजीनियरिंग' का हिस्सा है। फिलहाल, इस रणनीति के कमजोर पड़ने के संकेत नहीं हैं। इसीलिए 'सुशासन' जैसे दावों के बेनकाब होने, भ्रष्टाचार का मुद्दा हाथ से निकलने और विकास के मोर्चे पर तमाम नाकामियों के बावजूद इस चुनाव में एनडीए की pole position (दौड़ में अग्रिम स्थान) कायम नजर आती है।

दूसरी तरफ महा-गठबंधन अपने सीमित सामाजिक समीकरण के साथ एंटी-इन्कबैंसी के भरोसे ही है। महा-गठबंधन के प्रमुख दल- आरजेडी का अपना सामाजिक आधार मजबूत बना रहा है। सिर्फ इस समीकरण की ताकत के आधार पर उसे लगभग एक चौथाई वोट मिल जाते रहे हैं। इसके साथ एंटी-इन्कबैंसी का पहलू जुड़े, तो आरजेडी अपने साथी दलों- कांग्रेस, लेफ्ट, विकासशील इनसान पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा आदि के साथ सत्ता के करीब पहुंच सकता है। मगर एक तरफ रुपयों की बारिश कर नीतीश कुमार सरकार ने और दूसरी तरफ इंटी-इन्कबैंसी वाले वोट का एक और दावेदार बन कर जन सुराज ने महा-गठबंधन की संभावनाओं के बारे में अस्पष्टता पैदा कर दी है।

महा-गठबंधन के सामने सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि उसके नेतृत्व ने जिस प्रमुख मुद्दे के सहारे मतदाताओं को लुभाने की योजना बनाई, चुनाव आने से पहले ही सत्ता पक्ष ने उससे उन्हें वंचित कर दिया। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने जातीय जनगणना की मांग के इर्द-गिर्द बिहार में चुनाव लड़ने की मंशा दिखाई थी। मगर केंद्र सरकार ने अगली जनगणना में जातीय गिनती को शामिल कर इसे मुद्दे की धार भोथरी कर दी।

उसके बाद राहुल गांधी ने 'वोट चोरी' को अपने अभियान का केंद्रीय बिंदु बनाया। विपक्ष के कार्यकर्ताओं और समर्थकों को लामबंद करने में यह मुद्दा कामयाब रहा है, लेकिन आम जन के स्तर पर इसका असर है, इसके शायद ही कोई संकेत हैं। इसकी एक बड़ी वजह मीडिया नैरेटिव पर सत्ता पक्ष का नियंत्रण है, मगर इसका एक कारण यह भी है कि ऐसे मुद्दे रोजी-रोटी के रोजमर्रा के सवालों में उलझे जन समुदायों के मन को अक्सर छू नहीं पाते। इसलिए ऐसे मसले मध्य वर्ग के बीच और सोशल मीडिया पर जो ध्वनि निर्मित करते हैं, वह जमीनी स्तरों तक नहीं पहुंच पाती है।

सार यह कि महा-गठबंधन के पास ऐसे मुद्दे का स्पष्ट अभाव है, जिससे वह मतदाताओं में अपने प्रति उत्साह पैदा कर पाए। खुद महा-गठबंधन के घटक दलों- खासकर कांग्रेस- ने भी अपनी राह को मुश्किल बनाने में पर्याप्त योगदान किया है। अपनी असल ताकत से अधिक सीटों की मांग और आखिरी वक्त तक तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने से इनकार कर कांग्रेस ने महाराष्ट्र वाली गलती बिहार में दोहराई है। कुछ ऐसा ही रोल मुकेश सहनी की विकासशील इनसान पार्टी का भी है।

पांच साल पहले तेजस्वी यादव ने रोजगार को अपना प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाया था। तब वे नया चेहरा थे। तब उन्होंने खुद को सभी जातियों और समुदायों के नेता के बतौर पेश किया और ऐसे मुद्दे उठाए, जिनका संबंध सबसे है। चुनाव नतीजों से जाहिर हुआ कि यह रणनीति कामयाब रही। मगर उसके बाद नीतीश कुमार के पाला बदल में सहायक बन कर तथा छोटी अवधि की उनकी गठबंधन सरकार में शामिल होकर तेजस्वी ने नूतनता का तेज गंवा दिया। मतदाताओं के सामने अब उनकी उपस्थिति एक आम नेता के रूप में है। लाजिमी है कि उनकी सियासत और चुनावी संभावनाएं उनकी पार्टी के परंपरागत सामाजिक समीकरण के भरोसे रह गई है। उसमें कुछ ताकत सहयोग दल (खासकर सीपीआई-माले) जोड़ सकते हैं, मगर सवाल यह है कि क्या यह चुनाव जिताने लायक होगा?

इस परिदृश्य को ध्यान में रखें, तो फिलहाल यही नजर आता है कि बिहार में 6 और 11 नवंबर को होने जा रहे मतदान एक सामान्य चुनाव का हिस्सा होंगे। इसमें कोई ऐसा नया तत्व नहीं है, जो मतदाताओं में नई आशाएं पैदा करे। प्रशांत किशोर नया तत्व जरूर हैं, मगर अरविंद केजरीवाल की यादें अभी इतनी ताजा हैं कि उनका नयापन कोई उम्मीद पैदा नहीं करता। तो कुल मिलाकर सूरत यह बनती है कि चुनावबाज दल, नेता, और मीडियाकर्मी (हर चुनाव की तरह) इस चुनाव को लेकर जितने उत्साहित नजर आते हैं, वैसे उत्साह की कोई वजह आम जन को शायद ही नजर आती होगी!

यह निजी विचार है।

एआई अपनाने में तेजी लाने के लिए 'कृषि और एसएमई के लिए एआई प्लेबुक' और 'एआई सैंडबॉक्स श्वेत पत्र' लॉन्च

पीआईबी

भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) प्रो. अजय कुमार सूद ने विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के चौथे औद्योगिक क्रांति केंद्र (सी4आईआर) इंडिया द्वारा संचालित ÷भारत के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता 2030÷ पहल के अंतर्गत तीन पुस्तिकाओं का विमोचन किया। इसकी घोषणा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी सचिव श्री एस. कृष्णन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) सचिव श्री एससीएल दास, प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय (ओपीएसए) के वैज्ञानिक सचिव डॉ. परविंदर मैनी और कृषि मंत्रालय के सलाहकार (डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर) श्री अनिंद्य बनर्जी की उपस्थिति में की गई। इन तीन पुस्तिकाओं में शामिल हैं:

'भारत में भविष्य की खेती: कृषि के लिए एआई प्लेबुक'

'छोटे व्यवसायों का रूपांतरण: भारत के एसएमई के लिए एक एआई प्लेबुक'

'इंटेलिजेंट एज के लिए एआई सैंडबॉक्स इको-सिस्टम को आकार देना: श्वेत पत्र'

ओपीएसए और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के मार्गदर्शन में शुरू की गई और एक बहु-हितधारक सलाहकार परिषद द्वारा संचालित, एआई फॉर इंडिया 2030 पहल का उद्देश्य कार्यनीतिक और वैश्विक प्रासंगिकता के साथ संरचना का विकास करना है, जो भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था के केंद्र में उत्तरदायी, समावेशी और परिमाण-आधारित एआई को रखता है।

पीएसए प्रो. सूद ने कहा, ÷भारत की एआई यात्रा जमीनी स्तर पर बदलाव से निर्धारित होती है। ये प्लेबुक समयोचित हैं और एआई को समावेशी तथा प्रभावशाली बनाने के लिए स्पष्ट कार्यनीतियां प्रदान करती हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि प्रौद्योगिकीय प्रगति हमारे किसानों, उद्यमियों और देश भर के समुदायों के लिए वास्तविक लाभ में परिवर्तित हो। मैं सभी हितधारकों से आग्रह करता हूं कि वे राष्ट्र के विकास के लिए इन क्रियाशील रोडमैप को लागू करने में सामूहिक रूप से काम करें। इन रिपोर्टों में परिलक्षित विभिन्न विभागों और पहलों का संयोजन निरंतर गति में परिवर्तित होना चाहिए और समाज में एआई को व्यापक रूप से अपनाने में मदद करनी चाहिए।÷

ये प्लेबुक भारत के महत्वपूर्ण सेक्टरों में एआई समाधानों को लागू करने के लिए व्यावहारिक रोडमैप प्रदान करती हैं, जो व्यापक क्षेत्रीय परामर्शों, पायलट परियोजनाओं और सरकार, उद्योग, स्टार्ट-अप्स, शैक्षणिक संस्थानों और किसान संगठनों से प्राप्त इनपुट पर आधारित हैं। प्रत्येक पुस्तिका में एक सहयोगी मॉडल शामिल है जो सरकार, उद्योग और स्टार्ट-अप्स तथा सभी हितधारकों की भूमिकाओं को परिभाषित करता है। डब्ल्यूईएफ के सी4आईआर इंडिया के प्रमुख श्री पुरुषोत्तम कौशिक ने जारी किए गए प्रकाशनों का संक्षिप्त सारांश और कार्यप्रणाली प्रस्तुत की।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी सचिव श्री कृष्णन ने कहा, ÷वास्तविक सेक्टरों पर केंद्रित इन रिपोर्टों के साथ, हमारे पास एक बहुत अच्छा संकलन है, जो विभिन्न हितधारकों की भागीदारी से तैयार हुआ है और भावी परिदृश्य दिखाता है। यह प्लेबुक दर्शाती है कि कैसे एआई को इस परिवर्तन में सहजता से शामिल किया जा सकता है- जिससे नई दक्षताएं, बेहतर निर्णय लेने की क्षमता और प्रत्येक किसान के लिए अधिक समृद्धि संभव हो सकती है।÷

÷भारत में भविष्य की खेती÷ पुस्तिका लाखों किसानों के लिए एआई के विस्तार की रूपरेखा प्रस्तुत करती है, जिसका उद्देश्य उपज बढ़ाना, जोखिमों का प्रबंधन करना और बाज़ार पहुँच में सुधार करना है। इसका मूल इम्पैक्ट एआई ढांचा है, जो सहयोग का मार्गदर्शन करता है जहां सरकारें नीतियों के माध्यम से सक्षम बनाती हैं, उद्योग सैंडबॉक्स के माध्यम से समाधान तैयार करते हैं और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ता किसानों को टूल्स प्रदान करते हैं। कार्यान्वयन विश्वसनीय स्थानीय नेटवर्क और क्षेत्रीय भाषाओं का लाभ उठाता है ताकि एआई परामर्श को दैनिक कृषि निर्णयों में सहजता से एकीकृत किया जा सके।

÷छोटे व्यवसायों का रूपांतरण÷ प्लेबुक भारत के लघु एवं मध्यम उद्यमों (एसएमई) को उत्पादकता, ऋण पहुंच और बाज़ार पहुंच में आने वाली चुनौतियों से निपटने में मदद करने के लिए एक रणनीतिक रोडमैप प्रदान करती है, जिसके जरिए वे एआई का लोकतंत्रीकरण कर सकते हैं। इम्पैक्ट एआई ढांचा भी इस दृष्टिकोण का केंद्रबिंदु है, जो व्यवसायों को जागरूकता से लेकर अनुभव केंद्रों और सैंडबॉक्स के माध्यम से एआई परिपक्वता सूचकांक, एआई बाजार, टूल्स और वित्तपोषण के साथ कार्रवाई तक मार्गदर्शन प्रदान करता है और इस सेक्टर के अग्रिम व्यक्तियों द्वारा मान्यता प्राप्त करता है। इस क्लस्टर-आधारित दृष्टिकोण का उद्देश्य लघु व्यवसाय इको-सिस्टम में व्यापक और ठोस एआई अपनाने को बढ़ावा देना है।

एमएसएमई सचिव श्री दास ने कहा, ÷एमएसएमई पर ध्यान समयोचित और कार्यनीतिक दोनों है। इन सेक्टरों में एआई के उपयोग के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इन प्रकाशनों के बाद हम उद्योग भागीदारों और स्टार्टअप्स के साथ मिलकर इन विचारों को वास्तविक दुनिया में लागू करने के लिए तत्पर हैं, जिससे हमारे छोटे व्यवसायों को सीधे लाभ होगा।÷

ओपीएसए के वैज्ञानिक सचिव डॉ. मैनी ने रेखांकित करते हुए कहा कि ओपीएसए के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (एस एंड टी) क्लस्टर इन रिपोर्टों में उल्लिखित कार्यान्वयन रोडमैप को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। अपने विद्यमान इको-सिस्टम का लाभ उठाते हुए, ये क्लस्टर क्षमता निर्माण और ज्ञान प्रसार में, विशेष रूप से शुरुआती चरणों में, सहयोग कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, दिसंबर 2025 में कार्यालय द्वारा आयोजित किया जा रहा आगामी अंतर्राष्ट्रीय एस एंड टी क्लस्टर सम्मेलन इस क्षेत्र में संयोजन और सहयोग को और बढ़ावा देने के लिए एआई पर एक समर्पित फोकस को एकीकृत कर सकता है।

एनएचएआई देश भर में 20,000 किलोमीटर से अधिक राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए नेटवर्क सर्वेक्षण वाहन तैनात करेगा

पीआईबी। राष्ट्रीय राजमार्गों पर यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) 23 राज्यों में नेटवर्क सर्वेक्षण वाहन (एनएसवी) तैनात करेगा, जो राष्ट्रीय राजमार्गों के विभिन्न हिस्सों की सड़क सूची और फुटपाथ की स्थिति के आंकड़ों के संग्रह, प्रसंस्करण और विश्लेषण के लिए 20,933 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। एनएसवी की तैनाती से एनएचएआई को सड़क सूची और फुटपाथ की स्थिति से संबंधित आवश्यक आंकड़े- जिसमें सतह पर दरारें, गड्ढे और पैच आदि जैसी सभी संबंधित सड़क खामियां शामिल हैं- एकत्र करने में मदद मिलेगी। एनएसवी सर्वेक्षणों के माध्यम से एकत्र किए गए आंकड़े सड़क की स्थिति की कमियों को उजागर करेंगे, जिससे एनएचएआई राष्ट्रीय राजमार्गों के बेहतर रखरखाव के लिए सुधारात्मक उपाय करने के लिए प्रेरित होगा।

एनएसवी सर्वेक्षण के माध्यम से एकत्रित डेटा को एनएचएआई के 'एआई' आधारित पोर्टल डेटा लेक पर अपलोड किया जाएगा, जहां एनएचएआई के विशेषज्ञों की एक समर्पित टीम द्वारा इसका विश्लेषण किया जाएगा ताकि डेटा को ज्ञान और उसके बाद कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि में बदला जा सके। अंततः भारत सरकार के दिशानिर्देशों के

अनुसार नियमित अंतराल पर एकत्रित डेटा को भविष्य के तकनीकी उद्देश्यों के लिए निर्धारित प्रारूपों में सड़क परिसंपत्ति प्रबंधन प्रणाली में संरक्षित किया जाएगा।

फुटपाथ की स्थिति का सर्वेक्षण 3डी लेजर आधारित एनएसवी प्रणाली का उपयोग करके किया जाएगा, जो उच्च रिज़ॉल्यूशन वाले 360-डिग्री कैमरों, डीजीपीएस (डिफ्रेंशियल ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम), आईएमयू (इनर्शियल मेजरमेंट यूनिट) और डीएमआई (डिस्टेंस मेजरिंग इंडिकेटर) की मदद से बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के सड़क की खामियों को स्वचालित रूप से पकड़ने और रिपोर्ट करने में सक्षम है। ये सर्वेक्षण बहुमुखी डेटा अधिग्रहण और प्रसंस्करण सॉफ्टवेयर से लैस हैं ताकि इन्वेंट्री और फुटपाथ की स्थिति के आंकड़ों को सटीक रूप से मापा और रिपोर्ट किया जा सके।

लद्दाख की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए जीएसटी सुधार

पीआईबी

10,000+ कारीगरों की मदद के लिए पश्मीना, नमदा गलीचे और लकड़ी से बनी शिल्प कलाकृतियों पर 5 प्रतिशत जीएसटी । जीएसटी कम होने से डेयरी और जैविक खेती में बेहतर आय और प्रतिस्पर्धात्मकता देखी जा रही है; खुबानी की खेती में लगे 6,000+ किसान परिवारों को लाभ होगा

यात्रा को अधिक किफायती बनाने और 25,000+ लोगों की आजीविका को बनाए रखने के लिए होटल टैरिफ पर 5 प्रतिशत जीएसटी = 7,500 रुपये निर्धारित । लद्दाख में स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए याक डेयरी, ऊन उत्पादकों और जैविक खेती को समर्थन देने के लिए जीएसटी में कटौती

परिचय लद्दाख की अर्थव्यवस्था अपने अद्वितीय भूगोल, संस्कृति और शिल्प कौशल में गहराई से निहित है। यहां पारंपरिक आजीविका उभरते पर्यावरण के अनुकूल उद्योगों के साथ जुड़ी हुई है। उच्च गुणवत्ता वाले पश्मीना ऊन और खुबानी के बागों से लेकर जटिल थांगका पेंटिंग और टिकाऊ पर्यटन तक, प्रत्येक क्षेत्र क्षेत्र के कौशल और विरासत को दर्शाता है।

उत्पादों और सेवाओं की विस्तृत विविधता की श्रेणी में हाल ही में जीएसटी में कटौती से लद्दाख की समृद्ध अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ेगा और इससे कारीगरों, किसानों और छोटे उद्यमों को राहत मिलेगी। साथ ही ये सुधार आजीविका सृजन, सांस्कृतिक संरक्षण और लद्दाख की अर्थव्यवस्था के सतत विकास का समर्थन करेंगे।

हथकरघा पश्मीना ऊन और उत्पाद लद्दाख के सबसे मूल्यवान पारंपरिक शिल्पों में से एक, पश्मीना ऊन का उत्पादन लेह के चांगथांग क्षेत्र में किया जाता है। इससे 10,000 से अधिक खानाबदोश चरवाहों का जीवन यापन होता है। पश्मीना अपनी गर्मी, कोमलता और सुंदरता के लिए जानी जाती है, और इसका उपयोग प्रीमियम शॉल, स्टोल और अन्य वस्त्रों के लिए किया जाता है।

जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत करने से आयातित या मशीन से बने विकल्पों की तुलना में प्रामाणिक लद्दाखी पश्मीना की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इससे स्थानीय चरवाहों और कारीगरों के लिए आय स्थिरता में सुधार करने और निर्यात वृद्धि की संभावना बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

हाथ से बुने हुए ऊनी और नमदा गलीचे

लेह और कारगिल के हाथ से बुने हुए ऊनी और नमदा गलीचे लद्दाख की ऊन शिल्प कौशल की समृद्ध परंपरा का प्रतिनिधित्व करते हैं। याक और भेड़ की ऊन का उपयोग रंगे और विशिष्ट वस्त्र बनाने के लिए किया जाता है। जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत करने से उत्पादन लागत कम करने में मदद मिलती है और पारंपरिक हस्तशिल्प तौर-तरीकों में सुधार को प्रोत्साहित किया जाता है। इससे ऊन प्रसंस्करण और गलीचा बनाने में लगे स्थानीय कारीगरों और सहकारी समितियों को महत्वपूर्ण लाभ मिलने की उम्मीद है।

ऊनी फेल्ट उत्पाद और ऊनी सहायक उपकरण

लेह और चांगथांग के ऊन महसूस किए गए उत्पाद और ऊनी सामान, जैसे कि फेल्ट जूते, टोपी और दस्ताने, लद्दाख की पारंपरिक शिल्प संस्कृति को बढ़ाते हैं। इन वस्तुओं का उपयोग स्थानीय रूप से किया जाता है और और ये पर्यटकों के बीच भी खरीददारी के लिए लोकप्रिय हैं। जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने से ऊन प्रसंस्करण और उत्पाद निर्माण में लगे छोटे पैमाने पर, मौसमी कुटीर उद्योगों को सहायता मिलती है । इससे कारीगरों की आय में वृद्धि के साथ लद्दाख की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की भी उम्मीद है।

(22कैप्शन11)केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ नई दिल्ली में संसद भवन में भारत के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति श्री सी. पी. राधाकृष्णन से मुलाकात की।

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन और पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद अपने परिवार के साथ रविवार, 19 अक्टूबर, 2025 को नई दिल्ली स्थित उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए।

गति से प्रणालीगत मजबूती की ओर अगली बड़ी छलांग से विकासशील भारत को मिलेगी नई शक्ति

एमएनआरई ने स्थिर, विश्वसनीय और सतत नवीकरणीय विकास सुनिश्चित करते हुए भारत के तीव्र विस्तार से लेकर प्रणालीगत एकीकरण तक के परिवर्तन को रेखांकित किया

भारत के 2030 स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को कार्यनीतिक स्थायित्व के साथ आगे बढ़ाने के लिए ग्रिड, वित्तीय प्रणालियों और बाजार डिजाइन के साथ नवीकरणीय ऊर्जा का समन्वयन किया

हाइब्रिड और आरटीसी परियोजनाओं, अपतटीय पवन, भंडारण, पीएम कुसुम और पीएमएसजीवाई के तहत वितरित सौर, ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर के साथ आकार ले रहा है भारत के नवीकरणीय विकास का अगला चरण

पीआईबी

भारत का नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र एक नए रूपान्तरकारी चरण में प्रवेश कर रहा है, जो न केवल क्षमता वृद्धि की गति से बल्कि इसकी प्रणालियों की मजबूती, स्थिरता और गहनता से भी परिभाषित होगा। एक दशक के रिकॉर्ड विस्तार के बाद, अब फोकस मज़बूत, वितरण योग्य और लचीली स्वच्छ ऊर्जा संरचना के निर्माण पर केंद्रित है जो 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म क्षमता प्राप्त करने के देश के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक हो सके।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने रेखांकित किया है कि भारत की नवीकरणीय विकास की गाथा विश्व में सबसे तेज और सबसे अग्रगामी बनी हुई है, जो गति से लेकर प्रणाली की मजबूती, मात्रा से लेकर गुणवत्ता और विस्तार से लेकर स्थायी एकीकरण तक विकसित हो रही है।

मात्रा से गुणवत्ता की ओर बदलाव

पिछले दशक में भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता पांच गुना से भी अधिक बढ़ी है, जो 2014 में 35 गीगावाट से कम थी और आज 197 गीगावाट (बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं को छोड़कर) से भी अधिक हो गई है। यह असीम वृद्धि अनिवार्य रूप से एक ऐसे बिंदु पर पहुंचती है, जहां अगले कदम के लिए न केवल अधिक मेगावाट की आवश्यकता होगी, बल्कि गहन प्रणाली सुधारों की भी जरूरत होगी। यह सेक्टर उस चरण में प्रवेश कर चुका है, जहां फोकस क्षमता विस्तार से हटकर क्षमता अवशोषण पर केंद्रित हो रहा है। अब हम ग्रिड एकीकरण, ऊर्जा भंडारण, संकरण और बाज़ार सुधारों पर काम कर रहे हैं, जो 500 गीगावाट से अधिक के गैर-जीवाश्म भविष्य की वास्तविक नींव हैं। इस अर्थ में क्षमता वृद्धि में हाल में आई नरमी एक पुनर्संतुलन है, एक आवश्यक विराम है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि भविष्य का विकास स्थिर, प्रेषण योग्य और लचीला हो।

भारत की नवीकरणीय ऊर्जा वृद्धि विश्व में सबसे तेज बनी हुई है, जो बहु-मार्गीय विस्तार से प्रेरित है

40 गीगावाट से अधिक की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं वर्तमान में पीपीए, पीएसए या ट्रांसमिशन कनेक्टिविटी अर्जित करने के उन्नत चरणों में हैं - जो इस क्षेत्र में प्रतिबद्ध निवेश की मजबूत पाइपलाइन का स्पष्ट प्रतिबिंब है। वास्तविकता यह है कि भारत का नवीकरणीय ऊर्जा बाजार अपने ग्रिड और संविदात्मक संस्थानों की गति से आगे निकल गया है, जो व्यापक स्तर पर ऊर्जा परिवर्तन से गुजर रहे सभी देशों के लिए एक समान चुनौती है।

इस संदर्भ में, नवीकरणीय ऊर्जा के लिए व्यापक पर बोलियां लगाने से पहले राज्यों/डिस्कॉम द्वारा नवीकरणीय ऊर्जा खरीद दायित्व को लागू करना, बिजली की निकासी के लिए ट्रांसमिशन लाइनों को उन्नत करना और ग्रिड एकीकरण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना शीर्ष प्राथमिकताएं बनी हुई हैं।

चालू वर्ष में केंद्रीय नवीकरणीय ऊर्जा कार्यान्वयन एजेंसियों (आरईआईए) ने 5.6 गीगावाट के लिए बोलियां लगाई हैं, जबकि राज्य एजेंसियों ने 3.5 मेगावाट के लिए बोलियां लगाई हैं। इसके अतिरिक्त, वाणिज्यिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं द्वारा कैलेंडर वर्ष 2025 में लगभग 6 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़ने की संभावना है। इस प्रकार, नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता वृद्धि न केवल आरईआईए द्वारा संचालित बोलियों के माध्यम से, बल्कि कई माध्यमों से हो रही है। वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों ने भी इसमें भूमिका निभाई है: आपूर्ति-श्रृंखला में व्यवधान, मॉड्यूल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और कठिन वित्तीय परिस्थितियों ने कमीशनिंग की समय-सीमा को धीमा कर दिया है। फिर भी, भारत वार्षिक रूप से 15-25 गीगावाट नई नवीकरणीय क्षमता जोड़ना जारी रखे हुए है, जो विश्व में सबसे तेज़ दरों में से एक है।

एनएचआरसी ने तीनों राज्यों के पुलिस महानिदेशकों को नोटिस जारी की, दो सप्ताह में मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी

पीआईबी

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने 30 अगस्त, 2025 को केरल और मणिपुर तथा 21 सितंबर, 2025 को त्रिपुरा में अलग-अलग स्थानों पर तीन पत्रकारों पर हुए हमले के बारे में मीडिया रिपोर्टों का स्वतः संज्ञान लिया है। एनएचआरसी ने तीनों मामलों में तीनों राज्यों के पुलिस महानिदेशकों को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

कथित तौर पर, त्रिपुरा में एक पत्रकार पर कुछ बदमाशों ने लाठियों और धारदार हथियारों से उस समय हमला किया जब वह पश्चिमी त्रिपुरा के हेज़ामारा इलाके में एक राजनीतिक दल के वस्त्र वितरण कार्यक्रम में शामिल हो रहे थे। उनकी मोटरसाइकिल भी चोरी कर ली गई। मणिपुर में सेनापथी ज़िले के लाई गांव में एक पुष्प उत्सव की कवरेज के दौरान एक पत्रकार पर हमला किया गया। उन्हें एयर गन से दो बार गोली मारी गई जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। केरल में, थौदुपुझा के पास मंगट्टुकवाला पहुंचने पर एक पत्रकार पर लोगों के एक समूह ने हमला किया। वह एक शादी समारोह से लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि तीनों ही मामलों में पीड़ितों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया और पुलिस ने मामले दर्ज कर लिए हैं।

गोवर्धन पूजा और अन्नकूट से शुरू हुआ पर्व, आदिवासी समाज ने धूमधाम से मनाया गौरा-गौरी

ग्राम धामनसरा में दीपावली से गौरा-गौरी तक उत्सव का रंग

राजनांदगांव। ग्राम धामनसरा में इस वर्ष दीपावली की खुशियों की श्रृंखला पूरे जोरों पर रही। दीपावली के अवसर पर घरों और आंगनों में दीपों और रंगोली से सजावट की गई और मंदिरों में श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजा-अर्चना की गई।

गोवर्धन पूजा और अन्नकूट का आयोजन

दीपावली के दूसरे दिन ग्रामीणों ने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा कर गोवर्धन पर्वत का प्रतीक स्थापित किया। महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाज से अन्नकूट तैयार कर भगवान को अर्पित किया। भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण ने पूरे दिन वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

आदिवासी धुव गोंड समाज का उत्सव

इसके बाद आदिवासी धुव गोंड समाज ने बड़े उत्साह के साथ गौरा-गौरी पर्व मनाया। समाज के सदस्य कोमल शोरी, अर्जुन शोरी, संजय शोरी, महेन्द्र शोरी, गुमान चिता मंडावी, पीलु मंडावी, तरुण मंडावी सहित अन्य समाजिक बंधु उपस्थित रहे। सभी ने पारंपरिक आदिवासी वेशभूषा धारण कर नृत्य और गीतों के माध्यम से अपनी संस्कृति का सुंदर प्रदर्शन किया।

जीवनदायिनी शिवनाथ नदी में विसर्जन

उत्सव का kulmination जीवनदायिनी शिवनाथ नदी में गौरा-गौरी के विसर्जन के साथ हुआ। ढोल-मांदर की थाप, भक्ति गीत और ग्रामीणों की उपस्थिति ने पूरे माहौल को उल्लासपूर्ण और भक्तिमय बना दिया।

समाज और संस्कृति का संदेश

इस प्रकार ग्राम धामनसरा में दीपावली, गोवर्धन पूजा और गौरा-गौरी पर्व की श्रृंखला ने भक्ति, संस्कृति और सामाजिक एकता का संदेश दिया।

खुज्जी विधायक भोलाराम साहू हुए गृह प्रवेश कार्यक्रम में शामिल – परिवार को दी शुभकामनाएं, स्व. लाल बहादुर खल्लारे को किया नमन

मेटेपार (गैंदाटोला), विकासखण्ड छुरिया।

आज दिनांक 21 अक्टूबर 2025 को ग्राम मेटेपार निवासी श्री ब्रम्हानंद खल्लारे के निवास पर गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर खुज्जी विधानसभा के लोकप्रिय विधायक माननीय श्री भोलाराम साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

माननीय विधायक श्री साहू ने नए घर के लिए श्री ब्रम्हानंद खल्लारे एवं उनके परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई दी। साथ ही उन्होंने स्वर्गीय श्री लाल बहादुर खल्लारे के बरसा (स्मृति) कार्यक्रम के अवसर पर उनके छायाचित्र पर पुष्प व श्रीफल अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम के दौरान मेटेपार जय माँ लक्ष्मी ग्रुप द्वारा लोककला सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी विधायक साहू ने सराहना करते हुए आयोजकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भारत माता वाहिनी महिला समूह की बहनों से भी भेंट-मुलाकात कर उनके कार्यों की प्रशंसा की।

इस अवसर पर राजू सिन्हा (अध्यक्ष, कार्यकारिणी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी छुरिया), श्रीमती राजकुमारी सिन्हा (पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष, छुरिया), मनोज कुमार सिन्हा (पूर्व सदस्य, अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग), प्रताप घावडे (मंडल अध्यक्ष, उमरवाही कांग्रेस कमेटी), उमेश कंवर (सरपंच प्रतिनिधि, मेटेपार), श्रीमती शारदा कंवर, कृष्णा सलामे, शोभाराम चंद्रवंशी सहित परिवारजन व ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ग्राम आलीखुटा में पुलिस स्मृति दिवस मनाया गया

राजनांदगांव। ग्राम आलीखुटा में मंगलवार को पुलिस स्मृति दिवस बड़े श्रद्धाभाव और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ग्राम के वीर सपूत शहीद जगतराम कंवर के स्मारक स्थल पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। जिसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, किसान कांग्रेस पदाधिकारियों और ग्रामीणों ने शहीद को नमन किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मदन साहू जनपद सदस्य श्रीमती सरिता साहू शासन की ओर से प्राथमिक शाला के शिक्षक दीपक साहू एवं शहीद के परिजन कौशल चंद्रवंशी, गांव के गणमान्य नागरिक बिशौहा राम साहू, गोबन साहू, विवेक चंद्रवंशी तथा श्रीमती त्रिवेणी मानिकपुरी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मदन साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि 21 अक्तूबर 1959 को लद्दाख के हॉट स्प्रिंग क्षेत्र में सशस्त्र चीनी टुकड़ी द्वारा किए गए हमले में हमारे देश के पुलिस बल के 10 वीर जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी।

ग्राम तोरणकट्टा में लोक परब का भव्य आयोजन 23 अक्टूबर को

राजनांदगांव। शहर से सटे ग्राम तोरणकट्टा में 23 अक्टूबर को पारंपरिक मातर एवं लोक परब का आयोजन किया जा रहा है। ग्राम पंचायत के सरपंच सैन जनक उइके ने बताया कि कार्यक्रम में रात्रि के समय लोगों के मनोरंजन हेतु छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें ग्राम जंगलपुर, पाड़ादाह तथा संगीत नगरी खैरागढ़ के कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम की तैयारी जोर-शोर से की जा रही है। आयोजन में उप सरपंच रेखलाल साहू, बबलू यादव, होरी यादव, गोकुल साहू, हेमंत साहू एवं विजय चंद्राकर की सक्रिय भूमिका रहेगी।

ग्राम डोडिया में गौरा-गौरी का विसर्जन उत्साहपूर्वक सम्पन्न

विधिवत पूजा-अर्चना के बाद निकली भव्य शोभायात्रा, ग्राम में छाया उल्लास का माहौल

राजनांदगांव। जिले से लगे ग्राम डोडिया में पारंपरिक गौरा-गौरी विसर्जन समारोह बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ सम्पन्न हुआ। ग्रामवासियों ने विधिवत पूजा-अर्चना कर गौरा-गौरी की प्रतिमाओं का पूजन किया, तत्पश्चात ढोल-नगाड़ों, मंजीरों और गीत-संगीत के बीच भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

पूरे ग्राम में भक्ति और उल्लास का माहौल देखने को मिला। महिलाएँ पारंपरिक परिधान में नाच-गान करती हुई शोभायात्रा में शामिल रहीं, वहीं युवा वर्ग ने भी पूरे जोश के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में ग्राम सरपंच, जनप्रतिनिधि तथा ग्रामीणों की विशेष उपस्थिति रही। आयोजन में महिला समूहों, युवाओं और ग्राम समितियों का विशेष सहयोग रहा। शोभायात्रा के समापन पर विधिवत रूप से गौरा-गौरी का विसर्जन किया गया और सभी ने ग्राम की सुख-समृद्धि की कामना की।

दीपावली में उजाला और आत्मसम्मान का संगम, 30 हजार घरों में पहली बार जलेंगे खुशियों के दीप

रायपुर (संवाददाता)।

इस दीपावली में छत्तीसगढ़ के हजारों परिवारों के घरों में खुशियों का ऐसा उजाला फैलेगा, जो केवल दीपों की रोशनी से नहीं, बल्कि ÷अपना घर÷ होने के गर्व और आत्मसम्मान से जगमगाएगा। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत रायगढ़ जिले ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए 30 हजार से अधिक आवासों का निर्माण पूर्ण कर लिया है। यह उपलब्धि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशा और जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता से यह सब संभव हो पाया है। प्रदेश के वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी के विशेष प्रयासो से लाभार्थियों के अपना घर पाने का सपना पूरा हुआ है और इस बार की दीवाली में नए घर का आंगन दिए से रोशन होने जा रहा है। रायगढ़ जिले में वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्वीकृत आवासों में से इन 30 हजार से अधिक घरों का निर्माण समय पर पूरा होना न केवल प्रशासनिक दक्षता का उदाहरण है, बल्कि यह ग्रामीण हितग्राहियों के जीवन में स्थायित्व और सम्मान का नया अध्याय भी जोड़ रहा है। इस बार दीपावली उनके लिए वास्तव में विशेष होगी, क्योंकि इस बार दीये उन घरों में जलेंगे, जिनकी दीवारें खुद उनकी मेहनत, उम्मीदों और सरकारी योजनाओं की संवेदनशीलता की कहानी कह रही हैं।

मिशन मोड में दिखाई दी रायगढ़ की प्रतिबद्धता*

कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के नेतृत्व में रायगढ़ जिले ने प्रधानमंत्री आवास योजना को केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक फ्जन-आंदोलनफ्र का स्वरूप दे दिया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की टीमों ने गांव-गांव जाकर कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की, हितग्राहियों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया, और हर स्तर पर माइक्रो प्लानिंग से काम को गति दी। जिन क्षेत्रों में निर्माण कार्य धीमा पाया गया, वहां तत्काल समीक्षा बैठकें लेकर कारणों का विश्लेषण किया गया और जिम्मेदार अमले पर सख्त कार्रवाई की गई।

दीपावली और गौरा-गौरी विवाह पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया

राजनांदगांव। परिवार जब साथ होता है तो हर पर्व का आनंद दोगुना हो जाता है। राजनांदगांव की भुवनेश्वरी सिन्हा का परिवार इसी एकता और प्रेम का उदाहरण बन गया है। चाहे दीपावली हो या गौरा-गौरी विवाह, सिन्हा परिवार हर अवसर पर पूरे हर्षोल्लास के साथ एकत्रित होकर परंपराओं को सहेजता है।

इस वर्ष दीपावली के अवसर पर भुवनेश्वरी सिन्हा अपने चारों पुत्रों, बहुओं और नाती-पोतों के साथ दीपों की जगमग रोशनी में खुशियां मनाते नजर आए। परिवार के सभी सदस्य पारंपरिक परिधान में एक साथ पूजा-अर्चना कर सामाजिक एकता और पारिवारिक प्रेम का संदेश देते दिखे।

परिवार में दुकेंद्र कुमार सिन्हा एवं हेमलता सिन्हा, अंगेश्वर प्रसाद सिन्हा एवं खुमेश्वरी सिन्हा, चेतन सिन्हा एवं कौशल्या सिन्हा, प्रमोद सिन्हा एवं सुनीता सिन्हा के साथ युवा सदस्य अनुराग सिन्हा, रोहन सिन्हा, विवेक सिन्हा, हर्षित सिन्हा, अंजलि, सृष्टि, श्रद्धा और श्रेया सिन्हा शामिल रहे।

गौरा-गौरी विवाह पर्व में भी अंगेश्वर सिंह अपने मित्रों भैरव नारायण विश्वकर्मा, तेज प्रताप सिंह और दीपक बंजारे के साथ पारंपरिक विधि से रातभर गौरा-गौरी बोहने के आयोजन में शामिल हुए।

महतारी वंदन योजना: दीपावली के पहले मिली राशि ने त्यौहार के उत्साह को किया दुगुना

एजेंसी

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में संचालित महतारी वंदन योजना ने प्रदेश की लाखों महिलाओं के जीवन में खुशहाली के रंग भर दिए हैं। दीपावली से पूर्व योजना की 20वीं किश्त जारी होने से महिलाओं के चेहरे पर प्रसन्नता झलक रही है। योजना से लाभान्वित महिलाएं न केवल अपने परिवार की जरूरतें पूरी कर रही हैं, बल्कि आत्मनिर्भरता की ओर भी अग्रसर हैं।

बिलासपुर जिले के कोटा ब्लॉक की आदिवासी अंचलों की महिलाएं इस योजना से विशेष रूप से लाभान्वित हो रही हैं। ग्राम विचारपुर पंचायत के आश्रित ग्राम जुरेली की श्रीमती सुशीला बाई बताती हैं कि पहले परिवार की रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने में कठिनाई होती थी, लेकिन महतारी वंदन योजना से हर माह मिलने वाले 1000 रुपए ने उन्हें आर्थिक राहत दी है। वे कहती हैं, अब महीने की शुरुआत में ही सुकून महसूस होता है। राशन, बच्चों की जरूरतें और घर की छोटी-मोटी चीजें आसानी से पूरी हो जाती हैं। दशहरा-दीवाली के पहले मिली राशि तो हमारे लिए खुशियों की सौगात है।

वहीं ग्राम सिलपहरी की श्रीमती उर्वशी भानू स्व-सहायता समूह से जुड़कर अपने परिवार की आय में सहयोग देती हैं। वे कहती हैं, घर के खर्च पूरे करना आसान नहीं था, पर महतारी वंदन योजना से मिली राशि ने बड़ी मदद की है। अब बच्चों की पढ़ाई और घर की जरूरतों को पूरा करना सहज हो गया है। यह राशि हमारे लिए किसी उपहार से कम नहीं। महिलाओं ने संवेदनशील पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने गरीब और जरूरतमंद महिलाओं की वास्तविक चिंता की है। यह योजना सिर्फ आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और सशक्तिकरण का प्रतीक बन गई है।महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि महतारी वंदन योजना मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की जन-कल्याणकारी सोच का सशक्त उदाहरण है। इस योजना ने प्रदेश की लाखों महिलाओं को संबल और स्वावलंबन की दिशा में प्रेरित किया है।

रायपुर : महतारी वंदन योजना से बदली ज़िंदगी श्यामा बनी आत्मनिर्भरता की पहचान

महतारी वंदन योजना से बदली ज़िंदगी श्यामा बनी आत्मनिर्भरता की पहचान

रायपुर, संवाददाता

सरकारी योजनाएं तभी असर दिखाती हैं, जब वे सीधे आमजन के जीवन में बदलाव लाएं। छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना ऐसी ही तस्वीर लिख रही है। मुंगेली जिले के ग्राम किरना की श्यामा नेताम इसका उदाहरण है। कभी मजदूरी और सीमित खेती पर आश्रित यह परिवार आज आत्मनिर्भरता की राह पर मजबूती से खड़ा है, वो भी एक छोटे से प्रयास और बड़ी सोच की वजह से।

श्यामा को बकरी पालन का अनुभव तो था, मगर पूंजी की कमी बड़ी बाधा थी। इसी बीच महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने मिलने वाले 1,000 रुपए ने उनकी उम्मीद को नई दिशा दी। श्यामा ने राशि खर्च करने के बजाय उसे कुछ महीने तक बचाया और उसी से एक बकरी खरीदी। यहीं से शुरू हुआ बदलाव का सफर, रकम भले छोटी थी, लेकिन हौसला बड़ा।

धीरे-धीरे बकरियों की संख्या बढ़ी और आज श्यामा परिवार की आय में 3000 रुपए प्रति माह जोड़ रही हैं। बच्चों की पढ़ाई हो या रोजमर्रा का खर्च, सब कुछ अब पहले से ज्यादा व्यवस्थित है। सबसे बड़ी बात श्यामा अब खुद को आश्रित नहीं, आत्मनिर्भर कहने लगी हैं। श्यामा नेताम कहती हैं कि 'योजना ने मुझे नया हौसला दिया। अब मैं अपने पैरों पर खड़ी हूँ। पहले घर चलाना मुश्किल था, लेकिन अब अपने दम पर परिवार संभाल पा रही हूँ। यह योजना सच में महिलाओं के लिए नई शुरुआत है।

यह बदलाव यूं ही नहीं आया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित महतारी वंदन योजना का मकसद महिलाओं को केवल सहारा नहीं, आर्थिक स्वतंत्रता देना है। इस योजना की बदौलत श्यामा जैसी हजारों महिलाएं अपनी पहचान और सम्मान की नई कहानी लिख रही हैं। गांव में आज श्यामा प्रेरणा बन चुकी हैं। उनकी मुस्कान बताती है कि छोटे अवसर भी बड़ा भविष्य बना सकते हैं, बस जरूरत है विश्वास, निरंतरता और सही दिशा की।

खास खबर

एसईसीएल में हुई लापरवाही, मजदूर के दोनो हाथ कटे

कोरबा एसईसीएल की लापरवाही की वजह से मजदूर ने खो दिए दोनों हाथ लपरवाही एक बार फिर उजागर हो गई है। बीते दिनों हुई दर्दनाक घटना, जिसमें एक मजदूर के दोनों पैर काटने पड़े, अब टायर फटने की कहानी नहीं रही कृ बल्कि सच यह है कि हादसा ब्लास्टिंग में इस्तेमाल होने वाले बूस्टर के फटने से हुआ! जिस तरह से मजदूर का पूरा शरीर झुलस गया था उसे देखते ही इस बात का अंदाजा लगाया जा रहा था कि मजदूर टायर फटने की चपेट में नहीं बल्कि इनके साथ कुछ और ही हादसा हुआ है। सूत्रों के अनुसार, हादसे के समय ट्रक का टायर उस बूस्टर के ऊपर चढ़ गया था जो विस्फोटक सामग्री के तौर पर उपयोग में लाया जाता है। परिणामस्वरूप हुआ धमाका इतना जबरदस्त था कि आसपास की मिट्टी, पत्थर और कंकर तक हवा में उड़ गए। मगर दीपका प्रबंधन ने इसे टायर फटने की सामान्य दुर्घटना बताकर मामले को दबाने की कोशिश की। स्थानीय सूत्रों का कहना है कि यह घटना महज एक हादसा नहीं, बल्कि गंभीर सुरक्षा लापरवाही का नतीजा है। एसईसीएल प्रबंधन और ठेका कंपनियों द्वारा ब्लास्टिंग के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी पहले से की जा रही थी। कई बार यह बात सामने आई है कि ब्लास्टिंग जोन में न तो उचित बैरिकेडिंग की जाती है और न ही वहां कार्यरत कर्मचारियों को हेलमेट, गमबूट और सुरक्षा जैकेट जैसी बुनियादी सुरक्षा सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। दीपका खदान क्षेत्र में ब्लास्टिंग के दौरान सुरक्षा मानकों को ताक पर रखा जा रहा है। बावजूद इसके, प्रबंधन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। नतीजतन आज एक परिवार का चिराग अंधकार में चला गया।अब सवाल उठता है- क्या एसईसीएल प्रबंधन इस गंभीर लापरवाही की जिम्मेदारी लेगा? क्या ब्लास्टिंग में सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा या फिर एक और ायर फटने की कहानी रची जाएगी? दीपका खदान में मजदूरों की सुरक्षा आज एक बड़ा सवाल बन चुकी है। यह हादसा सिर्फ एक व्यक्ति की पीड़ा नहीं, बल्कि पूरे तंत्र की सुस्त व्यवस्था पर तीखा प्रहार है।

श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने दी बधाई

कोरबा एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने प्रदेशवासियों को धनतेरस, रूपचैदस, दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भाईदूज पर्व की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सभी के लिए सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करी है। कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा श्रमिकों एवं उनके परिजनों की बेहतरी के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है। इन योजनाओं के माध्यम से श्रमिकों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के के लिए डीबीटी के जरिए लगातार आर्थिक मदद की जा रही है। कैबिनेट मंत्री ने दीवाली के मौके पर 'लोकल फॉर वोकल' को बढ़ावा देने स्थानीय उत्पाद से बने सामग्री का उपयोग करने का आह्वान किया है।

'मेरा रेशम मेरा अभिमान' अभियान के तहत कोरबा में जागरूकता कार्यक्रम सह क्रेता-विक्रेता मिलन संपन्न

कोरबा (संवाददाता)।

रेशम तकनीकी सेवा केंद्र, केंद्रीय रेशम बोर्ड, बिलासपुर द्वारा आज ÷मेरा रेशम मेरा अभिमान÷ अभियान के अंतर्गत डिंगापुर, कोरबा में एक विशाल जागरूकता कार्यक्रम सह क्रेता-विक्रेता मिलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम ने तसर रेशम उद्योग से जुड़े हितधारकों को एक साझा मंच प्रदान किया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़, ओडिशा एवं झारखंड राज्यों से आए 13 से अधिक तसर व्यापारियों सहित कुल 130 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य तसर रेशम क्षेत्र में विपणन से जुड़ी समस्याओं पर गहन चर्चा कर उनके समाधान हेतु ठोस रणनीतियाँ तैयार करना था। साथ ही, राज्य रेशम विभाग एवं रेशम तकनीकी सेवा केंद्र द्वारा विकसित ऑनलाइन विपणन प्लेटफॉर्म के बारे में भी प्रतिभागियों को जानकारी प्रदान की गई। इसका लक्ष्य एकल एवं स्व-सहायता समूहों के रीलर, स्पिनर और बुनकर और व्यापारियों के बीच सीधा संबंध स्थापित करना, मार्केटिंग नेटवर्क को मजबूत करना, राज्य में निर्मित तरह-तरह के धागों को अधिक से अधिक क्रेताओं तक पहुंचाना एवं भविष्य में व्यापार के लिए अधिक विकल्प उपलब्ध करवाना रहा। कार्यक्रम के पहले सत्र में अशोक कुमार, वैज्ञानिक-बी, रेशम तकनीकी सेवा केंद्र, बिलासपुर द्वारा मुख्य अतिथि डॉ. राजेश बघेल, अपर संचालक, ग्रामोद्योग विभाग (रेशम प्रभाग), छत्तीसगढ़ शासन, एवं बालभद्र सिंह भंडारी, जिला रेशम अधिकारी, कोरबा का स्वागत किया गया। अशोक कुमार ने बताया कि कोरबा जिले में किए गए 8 कार्यक्रमों के दौरान यह पाया गया कि तसर रेशम धागे की मार्केटिंग एक मुख्य समस्या है, जिससे अधिकतर धागा उत्पादक प्रभावित हैं। इस समस्या के समाधान के लिए ही केंद्रीय रेशम बोर्ड-रेशम तकनीकी सेवा केंद्र, बिलासपुर द्वारा इस जागरूकता एवं क्रेता-विक्रेता मिलन का आयोजन किया गया है। उन्होंने व्यापार में सुगमता के लिए बनाए गए व्हाट्सएप ग्रुप की भी जानकारी दी। डॉ. राजेश बघेल, अपर संचालक ने प्रतिभागियों को कोसे एवं धागे की उपलब्धता एवं बिक्री के लिए राज्य रेशम विभाग द्वारा बनाए गए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की जानकारी दी, जिसकी। बालभद्र सिंह भंडारी, जिला रेशम अधिकारी, कोरबा ने सभी प्रतिभागियों को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस दौरान व्यापारियों, स्व-सहायता समूह के अध्यक्षों, वैज्ञानिकों, एवं प्रतिनिधियों के साथ तसर रेशम धागे की गुणवत्ता, किस्म, मूल्य एवं मांग को लेकर विस्तृत पैनल चर्चा भी की गई। दूसरे सत्र में आयोजित क्रेता-विक्रेता मिलन के दौरान राज्य के विभिन्न जिलों से आई महिला स्व-सहायता समूहों एवं एकल विक्रेताओं द्वारा तसर रेशम धागा एवं कपड़ों की बिक्री की गई। यह सत्र अत्यंत सफल रहा, जिसमें लगभग 2.75 लाख रूपये का व्यापार हुआ, जिसमें मुख्य रूप से तसर रेशम का स्पन धागा शामिल है। कार्यक्रम के अंत में, प्रतिभागियों ने ऐसे आयोजनों की निरंतरता की मांग की ताकि तसर रेशम उद्योग से जुड़े कारीगरों, स्व-सहायता समूहों और व्यापारियों को एक साझा मंच पर आने का अवसर मिले तथा उनके उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके। ÷मेरा रेशम मेरा अभिमान÷ अभियान के अंतर्गत आयोजित यह कार्यक्रम न केवल तसर रेशम के क्षेत्र में कार्यरत हितग्राहियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच सिद्ध हुआ, बल्कि इससे तसर रेशम के विपणन को नए आयाम देने की दिशा में ठोस कदम उठाने का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है। ऐसे आयोजन ग्रामीण उत्पादकों, महिला स्व-सहायता समूहों और व्यापारियों के बीच मजबूत नेटवर्क स्थापित करने में सहायक होंगे, जिससे तसर रेशम उद्योग को नई ऊर्जा और पहचान मिलेगी।

हितग्राहियों को नहीं मिली एनटीपीसी की क्षतिपूर्ति राशि

कोरबा संवाददाता।

कोरबा जिले में एनटीपीसी द्वारा राजस्व विभाग को दी गयी क्षतिपूर्ति राशि के भुगतान में हो रही देरी से नाराज ग्रामीणों ने तहसील कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया। राखड़ प्रभावित ग्राम धनरास के सैकड़ों ग्रामीण, जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं, एसडीएम कार्यालय पहुंच राजस्व विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

ग्रामीणों का आरोप है कि एनटीपीसी प्रबंधन ने एक साल की क्षतिपूर्ति राशि दो महीने पहले ही राजस्व विभाग को दे दी थी, लेकिन यह राशि अब तक हितग्राहियों तक नहीं पहुंची है। पहले यह राशि सीधे ग्राम पंचायत के खाते में जमा की जाती थी, लेकिन इस बार यह विभाग के पास अटकी हुई है।

ग्रामीणों ने दीपावली से पहले राशि जारी करने की मांग करी है। उनका कहना है कि त्यौहार नजदीक है और मुआवजा न मिलने से ग्राम में आर्थिक संकट की स्थिति बन गई है। ग्रामीणों ने बताया कि एनटीपीसी प्रबंधन द्वारा हर साल क्षतिपूर्ति राशि दी जाती थी। इस बार भुगतान में देरी के कारण उन्हें आंदोलन करना पड़ा द्ध उन्होंने यह भी बताया कि पहले यह राशि सरपंच और पंच को दी जाती थी, जो इसे प्रभावित लोगों में बांटते थे। अब यह सीधे प्रभावितों के खाते में जाती है, लेकिन इस बार उन्हें राशि नहीं मिली है।

एक अन्य ग्रामीण ने आरोप लगाते हुए बताया कि एनटीपीसी द्वारा डंप की जाने वाली राखड़ से होने वाले प्रदूषण का खामियाजा वे भुगत रहे हैं और बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं। इसी प्रदूषण की क्षतिपूर्ति के रूप में यह राशि दी जाती है, लेकिन इस बार इसका भुगतान नहीं किया गया है। ग्रामीणों के अनुसार, उन्हें 6 से 7 हजार रुपए तक की राशि मिलती है, जिसका उपयोग वे अपनी बीमारियों के इलाज में करते हैं। कटघोरा एसडीएम तन्मय खन्ना ने इस मामले पर जानकारी देते हुए बताया कि धनरास के लोगों को राखड़ का जो मुआवजा मिलता है, वह पहले नकद दिया जाता था। कुछ परेशानियों के कारण पूर्व अधिकारियों द्वारा यह निर्णय लिया गया कि बैंक विवरण लेकर राशि सीधे उनके खाते में डाली जाएगी, जो तहसील कार्यालय से ही भेजी जाएगी। एसडीएम ने आगे बताया कि अब तक 1100 से अधिक लोगों के बैंक विवरण जमा हुए हैं और सिस्टम में एंट्री करने में समय लग रहा था। उन्होंने एनटीपीसी प्रबंधन और तहसीलदार से बात की है और आश्वासन दिया है कि सभी विवरण लेकर दीपावली से पहले ग्रामीणों के खातों में राशि जमा कर दी जाएगी।

दर्दनाक हादसा: एक्सवेटर लोड ट्रेलर बिजली तार से टकराया, ड्राइवर की मौत

कोरबा (संवाददाता)।

कोरबा के पाली थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें एक एक्सवेटर लोड ट्रेलर 11 केवी बिजली तार के संपर्क में आ गया। इस घटना में ट्रेलर ड्राइवर कार्तिक राम की करंट की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना डायल 112 टीम और पाली बिजली सब स्टेशन को दी गई।

हादसे की जानकारी पुलिस के अनुसार, डूमरकछार रोड पर भंडारखोल परसापारा के पास ट्रेलर (नंबर-सीजी 07 सी 1076) 11 केवी तार से टकराया। तार के संपर्क में आते ही वाहन में करंट फैल गया, जिससे ड्राइवर की जान चली गई। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और सुरक्षा के मद्देनजर लोगों की आवाजाही रोक दी। नुनेरा बांधाखार और दीपका से दमकल की टीम को भी बुलाया गया।

बचाव कार्य - शॉर्ट सर्किट के कारण वाहन के पहिए में लगी आग पाली सब स्टेशन से 11 केवी बिजली आपूर्ति बंद कराई गई। इसके बाद ट्रेलर को तार के संपर्क से हटाकर सड़क से हटाया जा सका। स्थानीय लोगों के अनुसार, शॉर्ट सर्किट के कारण वाहन के पहिए में आग लग गई थी, जिस पर किसी तरह काबू पाया गया।

मृतक की पहचान - मृतक चालक की पहचान कार्तिक राम के रूप में हुई है, जो पंप हाउस का निवासी था। वह दीपका से एक्सवेटर लोड करके निकला था। इस हादसे के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना के कारण कुछ घंटों के लिए विद्युत आपूर्ति भी बाधित रही।

पुलिस की कार्रवाई

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतिश ठाकुर ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

डेम के पास मिली 3 दिन से लापता युवक की लाश

परिजनों ने जताई हत्या की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

रायगढ, । किरोड़ीमल नगर क्षेत्र स्थित उच्चभिट्ठी डेम के पास एक लापता युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई. मृतक जिंदल प्लांट में मजदूरी का काम करता था. मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और आगे की कार्रवाई में जुट गई है. जानकारी के मुताबिक, युवक पिछले तीन दिनों से लापता था और परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट कोतरा रोड थाने में दर्ज कराई थी. रविवार को डेम के पास शव मिलने की सूचना पर कोतरा रोड पुलिस मौके पर पहुंची. साथ ही फॉरेंसिक टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया है. परिजनों ने युवक की हत्या की आशंका जताई है. फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है. प्रारंभिक जांच में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

फेस्टिवल सीजन: अनहोनी टालने यूनिफॉर्म के साथ सिविल ड्रेस में तैनात पुलिसकर्मी

कोरबा । फेस्टिवल सीजन में कोरबा शहर और इसके उपनगरीय इलाकों में चारों ओर चहल-पहल और रौनक दिखाई दे रही है। धनतेरस से लेकर दीपावली तक चलने वाले पांच दिवसीय पर्व के दौरान बाजारों में जबरदस्त भीड़ उमड़ रही है। ऐसी भीड़भाड़ भरी परिस्थितियों में असामाजिक और शातिर तत्वों के सक्रिय होने की संभावना बनी रहती है। इन्हीं संभावित घटनाओं को ध्यान में रखते हुए पुलिस प्रशासन ने विशेष सुरक्षा व्यवस्था की है।शहर और आसपास के प्रमुख बाजार क्षेत्रों, बैंकों, एटीएम और आभूषण की दुकानों के आसपास यूनिफॉर्म के साथ सिविल ड्रेस में पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है, जो भीड़भाड़ वाले स्थानों पर नजर बनाए हुए हैं। पुलिस का उद्देश्य है कि किसी भी अप्रिय घटना या चोरी-छिनैती जैसी वारदात को पहले ही टाला जा सके। कोरबा नगर, अल्युमिनियम सिटी बालको नगर, कोलफील्ड क्षेत्र कुसमुंडा, दीपका, जमनीपाली, दर्री और कटघोरा सहित पूरे जिले में दीपावली पर्व की रौनक साफ दिखाई दे रही है। सरकारी और कॉरपोरेट दोनों सेक्टरों में पूंजी के तेज प्रवाह के कारण बाजारों में भारी मात्रा में खरीददारी हो रही है। इसके चलते धन के लेनदेन में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी जा रही है, जिससे सुरक्षा चुनौतियाँ बढ़ गई हैं।

पुलिस विभाग ने त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करते हुए सभी संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त फोर्स तैनात की है। वहीं, कई व्यापारी संगठनों ने अपने प्रतिष्ठानों में उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाकर निगरानी की व्यवस्था की है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शहर के विभिन्न चेकप्वाइंट्स पर पुलिसकर्मियों को सख्त निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। सभी को सतर्कता बरतने और संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई करने के आदेश जारी किए गए हैं।गौरतलब है कि वर्ष 2020 में सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत कोसाबादी में डीडी इंटरप्राइजेज के संचालक विकास अग्रवाल के निवास पर चोरी की बड़ी वारदात हुई थी। चोरों ने उस समय करीब 30 लाख रुपये की रकम पर हाथ साफ किया था, लेकिन पांच वर्ष बीत जाने के बाद भी यह मामला रहस्य बना हुआ है। पुलिस ने उस समय एक विशेष जांच टीम गठित की थी जिसने घटनास्थल से लेकर घंटाघर चैक तक लगे सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज खंगाले थे, लेकिन आरोपी अब तक पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। इस घटना के बाद से पुलिस ने त्योहारों के दौरान विशेष रूप से एहतियात बरतना शुरू किया है ताकि ऐसी कोई भी अनहोनी दोबारा न घट सके।

गबन/अनियमितता की गई राषि की वसूली करने के दिए निर्देश

खाद वितरण में किये गये अनियमितता पर समिति प्रबंधक के विरूद्ध एफ आईआर दर्ज कराने तथा सेवा से बर्खास्त करने कलेक्टर ने दिए निर्देश

आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मोरगा के समिति प्रबंधक महेन्द्र शर्मा के विरूद्ध होगी कार्यवाही

कोरबा संवाददाता

आदिम जाति सेवा सहकारी समिति केंद्र मोरगा, विकास खण्ड पोड़ी उपरोड़ा, जिला कोरबा के प्रबंधक के विरूद्ध खरीफ वर्ष 2025-26 में खाद वितरण में गड़बड़ी एवं अनिमियतता करने संबंधी षिकायत प्राप्त होने के पष्चात की गई जांच में षिकायत सही पाये जाने पर कलेक्टर श्री अजीत वसंत द्वारा समिति प्रबंधक श्री महेन्द्र शर्मा के विरूद्ध एफ्आईआर दर्ज कराने, आरोपी कर्मचारी को सेवा से पृथक करने और गबन की गई राषि आरोपी से वसूलने के निर्देष दिया गया है। कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पोंड़ी उपरोड़ा द्वारा दिये गये जांच प्रतिवेदन के आधार पर उक्त कार्यवाही के निर्देष दिये हैं।

इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार पोंड़ी उपरोड़ा मोरगा क्षेत्र के किसानों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा आदिम जाति सेवा सहकारी समिति केंद्र मोरगाके प्रबंधक के विरूद्ध खरीफ वर्ष 2025-26 में खाद वितरण में गड़बड़ी एवं अनिमियतता करने संबंधी षिकायत की गई थी। कलेक्टर द्वारा प्राप्त षिकायत की जांच कराई गई।जांच हेतु राजस्व व कृषि विभाग के 04 सदस्यीय संयुक्त जांच दल गठित किया गया, जिसमें श्री सुमनदास मानिकपुरी नायब तहसीलदार पोड़ी उपरोड़ा, श्री अखिलेष देंवागन प्रभारी वरिष्ठ ग्रामीण कृषि विकास अधिकारी विकास खण्ड पोड़ी उपरोड़ा, श्री रंजीत भगत राजस्व निरीक्षक एवं श्री राकेष यादव ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी मोरगा शामिल थे। संयुक्त जांच दल द्वारा मोरगा समिति में संधारित अभिलेखो, बिक्री पंजी, डिलवरी मेमो, पीओएसमषीन की एन्ट्री का अवलोकन एवं जांचोपरांत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित मोरगामें उपलब्ध डिलवरी मेमो एवं चालान के अनुसार 01 अप्रैल 2025 से दिनांक 01 सितंबर 2025 तक समिति को 09 ट्रक खाद (उर्वरक) का प्राप्त हुये जिसमें यूरिया 45 किलोग्राम-2180 बोरी, सुपर फास्फेट-400 बोरी, डीएपी-320, एनपीके-1800, पोटाष-160, नैनो यूरिया 480 तथा नैनो डीएपी 240 बोरी प्राप्त हुई थी। संयुक्त जांच दल ने जांच कर अपने निष्कर्ष में बताया है कि समिति द्वारा संधारित वितरण पंजी एवं पी.ओ.एस. पंजी में खाद (उर्वरक) की मात्रा - 1. यूरिया-164 बोरी, 2. डी.ए.पी.-44 बोरी, 3. एन.पी.के.-79 बोरी, 4. पोटाष (एमओपी)-08 बोरी का अंतर पाया गया है। यह घोर अनिमियतता की श्रेणी में आता है एवं उर्वरक नियंत्रण आदेष-1985 की धारा 35 और आवष्यक वस्तु अधिनियम-1955 की धारा 03 व 07 का उल्लघंन होने पर प्रबंधक को तत्काल प्रभाव से हटाने एवं उचित कार्यवाही किये जाने की अनुषंसा किया गया है। इसके साथ ही प्रबंधक जिसके विरूद्ध षिकायत किया गया है वह प्रबंधक एवं डाटा एन्ट्री ऑपरेटर दोनो पद पर कार्यरत है। जिन्होने अपने बयान कथन में स्वीकार किया है कि धान खरीदी एवं खाद बिक्री से संबंधित समस्त कार्य का निष्पादन एवं स्टॉक अद्यतन का कार्य प्रबधंक अर्थात स्वयं के द्वारा ही किया जाता है।प्रबंधक द्वारा स्कंद पंजी का संधारण नहीं किया गया है, केवल डिलवरी चालान एवं इनवॉरस की मूल प्रति की उपलब्धता है। प्रबंधक द्वारा यह तथ्य स्वीकार किया गया है कि केवल 09 ट्रक खाद (उर्वरक) आया है, जिसमें से 05 ट्रक खाद (उर्वरक) का वितरण किया जा चुका है एवं शेष खाद (उर्वरक) को अन्य किसानो के खाते में जोड़ा गया है, जिसका भुगतान प्रबंधक द्वारा स्वयं किया जायेगा।ग्रामीणो के द्वारा जिन दो व्यक्तियों का फौत होना बताया गया है, उनके खाते से मृत व्यक्ति का फर्जी हस्ताक्षर कर खाद (उर्वरक) का उठाव किया गया है, उक्त संबंध में प्रबंधक द्वारा कोई जवाब नहीं दिया गया। इस प्रकार संयुक्त जांच दल द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन एवं संलग्न दस्तावेजो के अवलोकन से यह स्पष्ट है कि आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित मोरगा के प्रबंधक द्वारा स्कंध पंजी का संधारण नहीं किया गया है। समिति द्वारा संधारित पंजी, पी.ओ.एस. मषीन से किये गये खाद (उर्वरक) की बिक्री रजिस्टर तथा कृषको के लिखित बयान (कथन) भिन्नता होने से प्रबंधक के विरूद्ध कृषको द्वारा की गयी षिकायत की पुष्टि हो रही है। यह घोर अनियमितता की श्रेणी में आता है।

प्रगति वन महिला स्वयं सहायता समूह ने बनाए 7000 रंग-बिरंगे दिए

रामानुजगंज, नगर के वार्ड क्रमांक 7 स्थित तरल, ठोस एवं अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र में पिछले 8 वर्षों से महिलाओं के स्वयं सहायता समूह द्वारा डोर टू डोर कचरा कलेक्शन कर लाया जा रहा कचरा खाद बनाने के लिए उपयोग में लाया जा रहा है। इसके साथ ही सूखे कचरे का रीसाइकलिंग कर पर्यावरण हितैषी कार्य भी किया जा रहा है। इसी केंद्र में कार्यरत प्रगति वन महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाएं पिछले 5 वर्षों से दीपावली के अवसर पर मिट्टी एवं गोबर से बनाए गए रंग-बिरंगे दीयों का निर्माण भी कर रही हैं, जो क्षेत्रवासियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बने रहते हैं। इस वर्ष दीपावली से पूर्व समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए दीयों की भारी मांग रही। समूह की सचिव सरस्वती ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि दीयों का निर्माण गोबर और मिट्टी से किया जाता है, फिर उन्हें सुंदर रंगों से पेंट किया जाता है। प्रत्येक दिया ?3 में बेचा जाता है। इस वर्ष समूह द्वारा कुल 7000 दीयों की बिक्री की गई, जिससे महिलाओं को आर्थिक लाभ भी हुआ और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सशक्त कदम भी सिद्ध हुआ। नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल ने महिला समूह के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि महिलाएं न केवल स्वच्छता अभियान के तहत घर-घर जाकर कचरा संग्रहण कर रही हैं, बल्कि खाली समय का सदुपयोग कर स्वरोजगार को बढ़ावा भी दे रही हैं। दिया निर्माण जैसी गतिविधियों से महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं और समाज को स्वच्छता व सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का कार्य कर रही हैं।

23 अक्टूबर से जिला स्तरीय पशु पक्षी प्रदर्शनी और प्रतियोगिता

पेंड्रा, । पशु चिकित्सा सेवाएं विभाग के सौजन्य से जिला स्तरीय पशु पक्षी प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता का आयोजन ग्राम सेमरा में स्वामी आत्मानंद स्कूल के पास 23 और 24 अक्टूबर को सुबह समय 10 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। प्रतियोगिता में सभी कृषको एवं पशुपालको से आग्रह किया गया है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। 23 अक्टूबर को प्रदर्शनी का उद्घाटन, वतस्य एवं कृषकों से परिचर्चा होगी। 24 अक्टूबर को विभिन्न प्रजाति, नस्ल, आयु समूह तथा उपयोगिता आधारित पशु पक्षी प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। जिसमें दुधारू गाय भैंस प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता, उन्नत बछिया प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता, स्वस्थ बछड़ा बछिया प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता, सांड प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता, बैल भैंस प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता, मुर्गी बतख, जापानी बटेर पक्षी प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता, उन्नत बकरा बकरी प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता, उन्नत सूकर प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता और विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कार विजेताओं को वितरण किया जाएगा।

शासकीय प्रा मा शाला सोमईकला में ऊर्जा संरक्षण चित्र कला प्रतियोगिता का आयोजन

संवाददाता। ऊर्जा संरक्षण चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय प्राथमिक पूर्व माध्यमिक शाला सोमईकला संकुल चिल्फी विकास खंड साजा जिला बेमेतरा में सुपर शनिवार को आयोजित किया गया जिसमें कक्षा पांचवीं से आठवीं कक्षा तक के 97 बच्चों ने भाग लिया उसमें से 51 बच्चों ने अपनी कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किए। ऊर्जा संरक्षण चित्रकला प्रतियोगिता प्रधान पाठक कमल किशोर शर्मा पवन कुमार देवांगन के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता में बच्चों को निर्देश दिया गया था की हमारे आस पास ऊर्जा के विभिन्न स्त्रोत है। चित्रकला में ऐसे ऊर्जा को प्रदर्शित करना है जो प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। जिनको हम अपने लिए स्तेमाल कर सकते हैं। और उन स्त्रोत की बचत करना है जो सीमित मात्रा में हैं। बच्चों ने बहुत ही सुन्दर और अपने सोंच को चित्रों में सकार करते हुए ऐसा ऊर्जा की संरक्षण को प्रदर्शित किया जिसके भंडार कम या सीमित है। चित्रकला में सौर ऊर्जा पवन चक्की बायो ऊर्जा के प्रयोग की प्राथमिक वाले चित्रों को प्रदर्शित किए। इस प्रतियोगिता के निर्णायक ईश्वरी ठाकुर पूर्णिमा मार्कंडेय रामकृष्ण साहू ज्ञानिक मार्कंडेय संत कुमार घृतलहरे ने क्रमशः पांचवीं से आठवीं तक प्रथम द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को प्रोत्साहित किया गया। कक्षा पांचवीं से टिकेश्वरी वर्मा और सुमित कोसले कक्षा छठवीं से डिकेश्वरी वर्मा और पल्लवी चतुर्वेदी सातवीं से सुधा चतुर्वेदी और कैलाश सोनवानी आठवीं से किरण साहू प्रिती मनहरे प्रथम द्वितीय स्थान प्राप्त किए।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संविदा भर्ती: चयनित अभ्यर्थियों को 7 नवम्बर 2025 तक दस्तावेज सत्यापन का अंतिम अवसर

दुर्ग, । राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संविदा भर्ती हेतु 38 पद के लिए विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। उक्त विज्ञापित पदों में से चतुर्थ श्रेणी वर्ग के पद Class -IV (UHWC), Ward Assistant & Attendent (NMHP), ´and Support Staff Mental Health Sweeper (NMHP) के लिए अनंतिम संवर्गवार चयन सूची जिले के विभागीय वेबसाईट www.durg.gov.in में अपलोड की गयी है।

चयनित अभ्यर्थियों के मूल दस्तावेज सत्यापन एवं पदस्थापना स्थल चयन हेतु 17 अक्टूबर 2025 को कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग के सभागार में उपस्थित होने हेतु सूचना प्रसारित किया गया था। उक्त दिवस में ऐसे चयनित अभ्यर्थी जो किसी कारणवश उपस्थित नहीं हो पाये थे, उन्हें 07 नवम्बर 2025 तक कार्यालयीन दिवस व समय में पुनः उपस्थित होने हेतु अंतिम अवसर प्रदान किया गया है। उक्त निर्धारित तिथि तक मूल दस्तावेज सत्यापन एवं पदस्थापना स्थल चयन हेतु उपस्थित नही होने की स्थिति में प्रतीक्षा सूची से अभ्यर्थी का चयन में वरीयता प्रदान की जायेगी। विस्तृत जानकारी दुर्ग जिलें की वेबसाईट durg.gov.in में देखा व डाउनलोड किया जा सकता है।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र में विकास की नई पहल– कांडलापर्ति में सुरक्षा बलों ने खोला केम्प

बीजापुर, संवाददाता

जिले के सुदूरवर्ती ग्राम कांडलापर्ती में दिनांक 18/10/2025 नवीन सुरक्षा एवं जन-सुविधा कैम्प की स्थापना की गई है। यह पहल छत्तीसगढ़ शासन की नियद नेल्ला नार योजना के अंतर्गत ग्रामीणों को मूलभूत सुविधा एवं सुरक्षा उपलब्ध कराने हेतु की गई है।

प्राकृतिक चुनौतियों के बीच साहसिक कार्यः– विपरीत मौसम और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद सुरक्षा बलों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए इन कैम्पों की स्थापना सफलतापूर्वक की। यह कदम न केवल सुरक्षा दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है बल्कि क्षेत्रीय विकास की गति को भी सशक्त करेगा।

अंतर्राज्यीय सम्पर्क और आधारभूत संरचना का विस्तारः– भोपालपटनम् से फरसेगढ़, सेण्ड्रा और गढ़चिरौली को जोड़ने की दिशा में यह एक अहम प्रगति है। आगामी समय में नेशनल पार्क क्षेत्र के ग्रामों को सड़क और अन्य सुविधाओं से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त होगा।

सुरक्षा और विकास का समन्वयः– कैम्प की स्थापना से स्थानीय नागरिकों को स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, पेयजल, पीडीएस दुकानें, मोबाइल नेटवर्क, सड़क और पुल-पुलिया जैसी सुविधाएं सुलभ होंगी। इससे माओवादियों की अंतर्राज्यीय गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा।

नक्सल उन्मूलन में उल्लेखनीय उपलब्धियाँः– वर्ष 2024 से अब तक बीजापुर जिले में कुल 19 सुरक्षा कैम्प स्थापित किए गए हैं। इन प्रयासों के फलस्वरूप 599 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है, 196 माओवादी अलग अलग मुठभेड़ में मारे गए हैं तथा 982 माओवादियों को सुरक्षा बालो की कार्यवाही मे गिरफ्तारी हुई है। सुरक्षा बालो के द्वारा किये जा रहे प्रयासों के फलस्वरूप बस्तर संभाग मे 210 माओवादियों ने हथियार के साथ आत्मसमर्पण किये है, यह नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी रणनीतिक सफलता है।

प्रशासनिक नेतृत्व एवं सहयोगः– जिला बीजापुर के सुदूर अंचल क्षेत्रों में नक्सल उन्मूलन अभियान एवं विकासात्मक कार्यो में तेजी लाने हेतु सुन्दरराज पी. पुलिस महानिरीक्षक, बस्तर रेंज जगदलपुर (छ0ग0), शालिन महानिरीक्षक केरिपु ऑप्स छ0ग0 सेक्टर रायपुर, कमलोचन कश्यप पुलिस उप महानिरीक्षक रेंज दंतेवाड़ा, बी0एस0नेगी उप महानिरीक्षक (परि.)केरिपु रेंज बीजापुर के मार्ग-दर्शन एवं डॉ0 जितेन्द्र कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक जिला बीजापुर , मोहित कुमार कमांडेंट केरिपु 22 बटालियन, के0डी0जोशी कमांडेंट केरिपु 214 बटालियन, अशोक कुमार कमांडेंट कोबरा 210, पुष्पेन्द्र कुमार कमांडेंट कोबरा 206, रविन्द्र कुमार मीणा अति0 पुलिस अधीक्षक ऑप्स बीजापुर, अमन कुमार झा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नक्सल ऑप्स बीजापुर, संजय ध्रुव अति0 पुलिस अधीक्षक, मनोज तिर्की उप पुलिस अधीक्षक, अनुविभागीय अधिकारी भोपालपटनम घनश्याम कामड़े, शकुलदीप सिंह डीसी ऑप्स बीजापुर की उपस्थिति में छत्तीसगढ़ शासन की ''नियद नेल्ला नार'' योजना के तहत जिला बीजापुर थाना भोपालपटनम् क्षेत्र के ग्राम कांडलापर्ती में दिनांक 18/10/2025 को नवीन सुरक्षा कैम्प स्थापित किया गया। नवीन कैम्प स्थापित होने से क्षेत्र में माओवादियों के अन्तर्राज्यीय गतिविधियों पर अंकुश लगेगा व नक्सल विरोधी अभियान संचालन में तेजी आयेगी एवं आप-पास क्षेत्रों में निवासरत ग्रामीणों को विकासात्मक कार्य एवं मूलभूत सुविधायें जैसे कि सड़क, पुल/पुलिया निर्माण, बिजली, पानी, स्वास्थ्य सुविधा, पीडीएस दुकाने, अच्छी शिक्षा, मोबाईल कनेक्टिविटी का विस्तार आदि की सुविधायें मिल पायेगा। नवीन सुरक्षा कैम्प स्थापित होने से क्षेत्र के आम-जन उत्साहित है।

विकास की गतिः– वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 में अब तक जिले में कुल 41 नवीन सुरक्षा कैम्प स्थापित किए जा चुके हैं। नियद नेल्ला नार योजना के तहत इन क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा, मोबाइल टावर, आंगनबाड़ी और अन्य जन-सुविधाओं का तीव्र विस्तार हुआ है।

कॉस्मेटिक दुकान से 31 लाख से अधिक का सामान पार, तीन लोगों के खिलाफ जुर्म दर्ज

रायपुर, । कॉस्मेटिक दुकान के सेल्समेन ने दुकान से 31 लाख 29192 रुपए का सामान पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी रोशन आहुजा 40 वर्ष श्यामनगर तेलीबांधा का रहने वाला है। प्रार्थी का पंडरी में कॉस्मेटिक दुकान चलाता है। जहां प्रार्थी के दुकान में काम करने वाले सेल्समेन सैलेश चौरे, शंकर खरे व करण ध्रुव ने दुकान से 31 लाख 29192 रुपए का सामान पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

मुख्यमंत्री साय ग्राम कण्डोरा पहुंचे, आत्मीय स्वागत

जशपुरनगर, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय माध्यमिक विद्यालय खेल मैदान हेलीपैड, ग्राम कण्डोरा पहुंचे। इस अवसर पर सांसद राधेश्याम राठिया, कमिश्नर नरेंद्र दुग्गा, आईजी दीपक कुमार झा, कलेक्टर रोहित व्यास, पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह, वनमण्डलाधिकारी शशि कुमार सहित जनप्रतिनिधियो, अधिकारियों और रौतिया समाज के पदाधिकारियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। हेलीपैड पर पारंपरिक करमा नर्तक दलों ने उत्साहपूर्वक नृत्य प्रस्तुत कर मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया और मनमोहक करमा नृत्य करते हुए उन्हें भव्य स्वागत के साथ कार्यक्रम स्थल तक लेकर गए।

अवैध कब्जे पर बड़ी कार्रवाई: नगर निगम ने 2 करोड़ की जमीन कराई मुक्त

कोरबा, कोरबा के रिसदी चैक के पास नगर निगम ने अवैध कब्जे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। वार्ड नंबर 32 स्थित करीब आधा एकड़ सरकारी जमीन पर किए गए अवैध कब्जे को हटाया गया है, जिसकी कीमत लगभग 2 करोड़ रुपये बताई जा रही है। तहसीलदार डी.एस. मंडावी की मौजूदगी में की गई इस कार्रवाई में बुलडोजर चलाकर अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया ।

अवैध कब्जे की जानकारी

राधे यादव नाम के व्यक्ति ने निगम की जमीन पर पहले दुकान और फिर उसके पीछे पक्का मकान बना लिया था। निगम प्रशासन ने पहले भी नोटिस और चेतावनी दी थी, लेकिन कब्जाधारी ने अनदेखी करते हुए निर्माण जारी रखा। इसके बाद नगर निगम ने बुलडोजर चलाने का निर्णय लिया।

कार्रवाई के दौरान विरोध

कार्रवाई के वक्त कब्जाधारी द्वारा विरोध करने की कोशिश की गई, लेकिन टीम ने सख्ती दिखाते हुए निर्माण को ध्वस्त कर दिया। नगर निगम की टीम का नेतृत्व प्रभारी इम्तियाज खान ने किया। तहसीलदार डी.एस. मंडावी ने बताया कि अवैध कब्जे की शिकायत मिलने के बाद संयुक्त टीम गठित कर कार्रवाई की गई।

धरती आबा के आंगन से विज्ञान भवन तक- कोरिया की विकास गाथा को मिली राष्ट्रीय पहचान

रायपुर, । देश की राजधानी नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित 'राष्ट्रीय कॉन्क्लेव ऑन आदि कर्मयोगी अभियान' में छत्तीगसढ के कोरिया जिले ने एक बार फिर अपनी विकास यात्रा से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित इस भव्य समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान में उत्कृष्ट कार्यों के लिए कोरिया जिले की कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी को सम्मानित किया। इस अवसर पर केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम एवं राज्यमंत्री दुर्गा दास उइके भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा को भी राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति के हाथों सम्मान प्राप्त हुआ।

154 जनजातीय ग्रामों में विकास की नई मिसाल

धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान' के अंतर्गत कोरिया जिले के 154 जनजाति बहुल ग्रामों, बैकुंठपुर ब्लॉक के 138 और सोनहत ब्लॉक के 16 ग्रामों में लगभग 38 हजार जनजातीय परिवारों को शासन की 17 विभागों की 25 योजनाओं का लाभ दिलाया गया है। शिविरों और डोर टू डोर अभियानों के माध्यम से लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड, पीएम जन धन योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, पीएम उज्जवला, जाति-निवास प्रमाण पत्र, वनाधिकार पट्टा, राशन कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम आवास योजना, सिकल सेल टेस्टिंग, सुकन्या समृद्धि योजना तथा पीएम विमान बीमा योजना जैसे योजनाओं से जोड़ा गया। समयबद्ध क्रियान्वयन और मैदानी स्तर पर नवाचारों के चलते यह पहल जनसहभागिता का प्रतीक बनी है।

राष्ट्रीय स्तर पर नवाचारों की सराहना

छत्तीसगढ के कोरिया जिले के जनजातीय अंचलों में किए जा रहे प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलना जिले के लिए गर्व की बात है। यह सम्मान नवाचार, जनसहभागिता और सतत विकास की दिशा में कोरिया की उपलब्धियों का प्रतीक है।

बस्तर से सरगुजा तक हर जनजातीय परिवार को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाए-साय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा श्यह सम्मान हमारे उन कर्मयोगियों की पहचान है जिन्होंने जनजातीय सशक्तीकरण को धरातल पर साकार किया है। राज्य सरकार का उद्देश्य है कि बस्तर से सरगुजा तक हर जनजातीय परिवार को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाए और उन्हें हर स्तर पर सशक्त किया जाए।

योजनाओं की रोशनी को जन-जन तक पहुंचाना ही सुशासन – छत्तीसगढ़ शासन में आदिम जाति विकास मंत्री एवं कोरिया जिले के प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने कहा यह उपलब्धि हमारे अधिकारियों, फील्ड स्टाफ और जनप्रतिनिधियों की मेहनत का परिणाम है, जिन्होंने कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद योजनाओं की रोशनी को जन-जन तक पहुँचाया है, उन्होंने कहा कि जन-जन तक योजनाओं को पहुंचाना व लाभ मिलना ही सुशासन है।

अड्डेबाजी और गुंडागर्दी पर होगी तुरंत कार्यवाही, दिवाली पर पुलिस हाई अलर्ट

धमतरी, दीपावली,गौरा गौरी, गोवर्धन पूजा के मद्देनज़र जिले में कानून-व्यवस्था की स्थिति को मजबूत एवं आमजन में सुरक्षा की भावना बनाए रखने हेतु आज धमतरी जिला मुख्यालय एवं आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों में कलेक्टर अबिनास मिश्रा एवं स.क्ष सूरज सिंह परिहार के नेतृत्व में भव्य फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च रक्षित केंद्र में स्कधमतरी की ब्रीफिंग से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख चौराहों, बाजार क्षेत्र,लक्ष्मी निवास,अंबेडकर चौक,रत्ना बांधा, मुजगहन होते हुए मकई चौक, सिहावा चौक,बस स्टैंड,अर्जुनी मोड से भीड़-भाड़ वाले इलाकों से होते नहरनाका चौक से विंध्यवासिनी मंदिर के सामने सम्पन्न हुआ। इस दौरान लगातार ऑडियो संदेश का प्रसारण लाउड स्पीकर से किया गया पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार ने बताया कि दीवाली में तीन स्तरीय प्लानिंग की गई है।जिले में विजुअल पुलिसिंग हेतु जगह जगह पर एमसीपी लगाया गया है, फ्लैगमार्च किया जा रहा है। जिले में नाकेबंदी अलग से की गई है तथा शहर में मोटर सायकिल वाहन पेट्रोलिंग,सहित पैदल कराई कराई जा रही है,रैंडम चेकिंग, एवं गश्ती दल की तैनाती की गई है। हाल में एक ढाबा, एक मेडिकल स्टोर सील होने के

अलावा एक घर में भारी मात्रा में पटाखे का अवैध भंडारण पकड़ाया है जहां पुलिस प्रशासन का उत्कृष्ट समन्वय रहा है, आगे भी आपराधिक तत्वों पर कड़ी कार्यवाही जारी रहेगी- कलेक्टर-एस.पी. की स्पष्ट चेतावनी -:

अड्डेबाजी, गुंडागर्दी, शराबखोरी, असामाजिक गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर पैनी निगरानी रखी जा रही है, और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दीपावली के त्यौहार को शांति, सौहार्द एवं गरिमा के साथ संपन्न कराने के लिए पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। कलेक्टर ने नागरिकों से अपील की कि शान्तिपूर्वक प्रेम से दिवाली का त्योहार मनाएं, नशा करके बवाल ना करें, संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

अंबिकापुर जेल में बंदियों से ऑनलाइन वसूली के आरोप में चार जेल प्रहरी बर्खास्त

(अंबिकापुर) संवाददाता।

छत्तीसगढ़ की जेलों में बंदियों से अवैध वसूली और ऑनलाइन उगाही के गंभीर मामले पर राज्य सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। अंबिकापुर केंद्रीय जेल में तैनात चार जेल प्रहरियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। बर्खास्त किए गए प्रहरियों में नीलेश केरकेट्टा, लोकेश टोप्पो, ललईराम और चंद्र प्रकाश शामिल हैं। इन पर जेल में बंद एक कैदी से ऑनलाइन माध्यम से अवैध वसूली करने के आरोप सिद्ध हुए हैं। मामले की शुरुआत उस वक्त हुई जब हत्या के आरोप में आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदी मुकेशकांत मल्हार की पत्नी अमरीका बाई ने जेल प्रहरियों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि उसका पति जेल में लगातार प्रताड़ना का शिकार हो रहा है। उसे मामूली सुविधाओं – जैसे फोन कॉल, परिवार से मिलने की अनुमति या साफ-सफाई के सामान के लिए भी पैसे देने को मजबूर किया जाता है। अमरीका बाई ने आरोप लगाया कि उसने अपने पति की सुरक्षा और सुविधा के लिए जेल कर्मियों को अब तक 70 से 80 हजार रुपये तक ऑनलाइन ट्रांसफर किए हैं। उसने इसके सबूत के रूप में मोबाइल लेन-देन के स्क्रीनशॉट और बैंक ट्रांजेक्शन डिटेल्स भी अधिकारियों को सौंपे। शिकायत के बाद वरिष्ठ जेल अधिकारियों ने पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच कराई। जांच के दौरान यह पाया गया कि संबंधित चारों जेल प्रहरियों ने वास्तव में बंदी के परिवार से ऑनलाइन माध्यमों से रुपये वसूले थे। आरोप प्रमाणित होने के बाद विभाग ने इन्हें तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त करने का आदेश जारी किया। जेल प्रशासन सूत्रों के अनुसार, यह मामला सिर्फएक बंदी तक सीमित नहीं हो सकता। जांच में कई और बंदियों से इसी तरह के उगाही के संकेत मिले हैं। संभावना जताई जा रही है कि पूरे तंत्र में कुछ और अधिकारी या कर्मचारी भी संलिप्त हो सकते हैं। इस कारण से विभाग ने अन्य जेलों में भी समान शिकायतों की आंतरिक जांच शुरू कर दी है। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि जेलों में किसी भी प्रकार की अवैध उगाही या बंदियों के शोषण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। गृह विभाग के सूत्रों के मुताबिक, प्रदेशभर की सभी जेलों में निगरानी तंत्र को और मजबूत किया जा रहा है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। अंबिकापुर केंद्रीय जेल से जुड़े इस प्रकरण ने जेल व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह मामला न केवल जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर, बल्कि बंदियों के मानवाधिकारों और पारदर्शिता पर भी गहरी चिंता पैदा करता है।

बालोद – दुकान में सामान खरीदने के बहाने महिला से झपटी सोने की चेन

बालोद,

बालोद जिले के अर्जुंदा थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े चेन स्नैचिंग की घटना सामने आई है। एक अज्ञात युवक किराना दुकान में सामान खरीदने के बहाने पहुंचा और मौके का फायदा उठाकर दुकान मालकिन के गले से सोने की चेन झपट ली, इसके बाद बाइक पर सवार होकर फरार हो गया। आरोपी के भागने की घटना दुकान के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। यह घटना ग्राम परसतराई की है। जानकारी के मुताबिक, ग्राम परसतराई की रहने वाली महिला अपने घर से लगे किराना दुकान में बैठी थी। दोपहर करीब 12 बजे एक युवक हेलमेट पहनकर दुकान में पहुंचा और पहले ईनो खरीदा। इसके बाद वह थोड़ी देर बाद दोबारा लौटा और मिक्सर खरीदने के बहाने दुकान के अंदर आया। महिला के अनुसार, आरोपी ने छत्तीसगढ़ी में अउ एक पैकेट मिक्सर दे दाई कहा। जैसे ही महिला झुककर पैकेट निकालने लगी, आरोपी ने उसके गले में पहनी सोने की चैन झपट ली और बाइक से फरार हो गया। महिला ने बताया कि आरोपी ने नीले, सफेद और काले रंग की पट्टीदार टी-शर्ट, भूरे रंग की पैंट और जूते पहने थे। उसने काले रंग का हेलमेट पहन रखा था और काले रंग की मोटरसाइकिल से वारदात को अंजाम दिया। चोरी हुई चैन का वजन करीब ढाई तोला बताया जा रहा है, जिसकी कीमत लगभग 1 लाख 80 हजार रुपये है। घटना की शिकायत महिला ने अर्जुंदा थाने में की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। **संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।**
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily **कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल** (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)